दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 2 ■ अंक : 13

ग्वालियर, शनिवार 08 अक्टूबर 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

कफ सिरप पीने से 12 बच्चों की मौत पर उधमपुर में मचा था हड़कंप

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारतीय दवा कंपनी की उन चार दवाओं के खिलाफ अलर्ट जारी किया है, जिनके कारण गाम्बिया में 66 बच्चों की मौत होने और गुर्दे को गंभीर पहुंचने की आशंका है। ये चार प्रोडक्ट प्रोमेथाजिन ओरल सॉल्यूशन, कोफेक्समालिन बेबी कफ सिरप, मेकॉफ बेबी कफ सिरप और मैग्निप एन कोल्ड सिरप हैं। गांबिया में कफ सिरप पीने से मौत का कारण उसमें डायथाइलीन ग्लाइकॉल की अधिक मात्रा पाया जाना सामने आया है। यह डायथाइलीन ग्लाइकॉल जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में भी कहर बरपा चुका है। रिपोर्ट के मुताबिक, रामनगर तहसील में 2019-20 में कोल्ड बेस्ट पीसी सीरप पीने से 12 बच्चों की मौत हो गई थी, जबकि 6 बच्चे दिव्यांग हो गए थे। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की ओर से भी यह मामला उठाया गया, जिसकी सिफारिश पर प्रदेश सरकार ने जान गंवाने वाले 12 शिशुओं के परिजनों को 3-3 लाख रुपये

की मुआवजा राशि दी। आयोग ने जांच में पाया कि इसमें राज्य सरकार के ड्रग कंट्रोल विभाग से लापरवाही हुई, जिसने दवा की जांच ठीक से नहीं की। अनाधिकारिक आंकड़ों में मौतों की संख्या 14 बताई जाती है। बता दें कि केंद्र शासित प्रशासन की ओर से यह मामला सुप्रीम कोर्ट में भी उठाया गया, जहां दूसरी याचिका पर सुनवाई लंबित है। रामनगर में दिसंबर 2019 से जनवरी 2020 के बीच अचानक 12 शिशुओं की मौत हो गई थी। इससे जिले में हड़कंप मच गया। जांच में पता चला कि सभी बच्चों को स्थानीय दवा विक्रेता से सामान्य खांसी-जुकाम के लिए कोल्ड बेस्ट पीसी कफ सीरप पिलाई गई थी। इसका उत्पादन एमएस डिजिटल विजिन, कालाअंब (हिमाचल प्रदेश) ने किया था। मालूम हो कि डब्ल्यूएचओ ने कहा कि डायथाइलीन ग्लाइकॉल और एथिलीन ग्लाईकॉल से पेट दर्द, उल्टी, दस्त, मूत्र त्यागने में दिक्कत, सिरदर्द, मानसिक स्थिति में बदलाव और गुर्दे को गंभीर नुकसान हो सकता है, जिससे मरीज की मौत भी हो सकती है। इन उत्पादों को तब तक असुरक्षित माना जाना चाहिए, जब तक संबंधित राष्ट्रीय नियामक प्राधिकरणों की ओर से उनका विश्लेषण नहीं किया जाता।

60 बच्चों की मौत के बाद जानलेवा सिरप के खिलाफ गाम्बिया डोर टू डोर कैंपेन शुरू

लोगों से सिरप नहीं इस्तेमाल करने को कहा जा रहा

नई दिल्ली। गाम्बिया में 60 से ज्यादा बच्चों की मौत के बाद भारतीय कफ सिरप को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी जारी की थी। इसके बाद गाम्बिया ने भारत की ओर से निर्मित इन कफ सिरप को जानलेवा बताकर डोर टू डोर कैंपेन शुरू कर दिया है। इस कैंपेन में लोगों से इस कफ सिरप को तुरंत हटाने की बात कही जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, गाम्बिया में हेल्थ डायरेक्टर मुस्तफा बिट्टाये ने सभी बच्चों की मौत के कारणों की पुष्टि करते हुए बताया कि इन सभी बच्चों की मौत किडनी की गंभीर दिक्कतों की वजह से हुई है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्येयियस ने कहा, डब्ल्यूएचओ ने गाम्बिया में मिली इन चार दूषित दवाइयों को लेकर एक मेडिकल प्रोडक्ट अलर्ट जारी किया गया है, जो किडनी की गंभीर दिक्कतों और यहां हुई 66 बच्चों की मौत से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा,युवाओं की मौत उनके परिवारवालों के लिए दिल दहला देने वाली बात है। डब्ल्यूएचओ ने अलर्ट जारी कर कहा कि अभी सिर्फ गाम्बिया में ही इन चारों उत्पादों के बारे में पता चला है लेकिन हो सकता है कि ये सभी उत्पाद अनौपचारिक तरीकों से बाकी देशों और क्षेत्रों में भी वितरित किए गए हों।

सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों से मांगी बुजुर्गों के लिए चल रही वृद्धाश्रम जैसी विभिन्न योजनाओं की जानकारी

नई दिल्ली)। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को पेंशन, प्रत्येक जिले में वृद्धाश्रम और वृद्धावस्था देखभाल के संबंध में बुजुर्गों के लिए चल रहीं मौजूदा कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी रिकॉर्ड पर लाने का निर्देश दिया है। जस्टिस अनिरुद्ध बोस और जस्टिस सुधांशु धूलिया की पीठ ने कहा हम निर्देश देते हैं कि बुजुर्गों के कल्याण के लिए चल रही योजनाएं

बुजुर्गों के लिए पेंशन, प्रत्येक जिले में वृद्धाश्रम और वृद्धावस्था देखभाल का यह आदेश पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री अश्विनी कुमार द्वारा दायर एक याचिका पर आया है, जिसमें देशभर में बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने वाले वृद्धाश्रम स्थापित करने का निर्देश देने की मांग की गई है। पीठ ने कहा संबंधित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इन तीन प्रमुखों पर अपनी मौजूदा योजनाओं की जानकारी भारत संघ के एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड को प्रस्तुत करने दें। सभी संबंधित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से जानकारी एकत्र करने के बाद दो महीने की अवधि में और भारत संघ द्वारा एक महीने बाद एक संशोधित स्थिति रिपोर्ट दायर की जाएगी। शीर्ष अदालत ने कहा राज्य सरकारों की रिपोर्ट में माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम के कार्यान्वयन के संबंध में वर्तमान स्थिति पर विवरण देना चाहिए।

खास खबर

ब्रिटिश गृह मंत्री ब्रेवरमैन के दावों पर भारत ने किया करार पलटवार

लंदन। भारत ने ब्रिटिश गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन के उन दावे का जवाब दिया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि 'माइग्रेशन और मोबिलिटी साझेदारी' (एमएमपी) ठीक तरीके से काम नहीं कर रही है। भारत ने कहा कि उसने ब्रिटेन द्वारा समझौते के तहत उठाए गए सभी मामलों में कार्रवाई शुरू की है। ब्रेवरमैन के साक्षात्कार के संबंध में भारतीय उच्चायोग ने कहा कि भारत को पिछले साल हस्ताक्षरित एमएमपी के तहत ब्रिटिश सरकार द्वारा किए गए कुछ वादों पर 'ठोस प्रगति' का इंतजार है। भारतीय उच्चायोग ने कहा, एमएमपी के अंतर्गत विस्तृत चर्चा के हिस्से के तौर पर, भारत सरकार ब्रिटिश सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि वीजा अवधि से ज्यादा समय तक ब्रिटेन में रूकने वाले भारतीय नागरिकों की वापसी सुगम की जा सके। बयान में कहा गया है, गृह कार्यालय के साथ साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार उच्चायोग को भेजे गए सभी मामलों में कार्रवाई शुरू की गई है। इसके अलावा ब्रिटेन को भी एमएमपी के तहत कुछ वादों को पूरा करना है, उस संबंध में हमें ठोस कदम उठाए जाने का इंतजार है। गृह मंत्री ने अपने साक्षात्कार में कहा था कि सबसे बड़ी संख्या में भारतीय अपनी वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी ब्रिटेन में रुके रहते हैं। उन्होंने कहा था, 'मुझे भारत के साथ खुली सीमाओं वाली माइग्रेशन नीति को लेकर आपत्ति है, क्योंकि मुझे नहीं लगता कि लोगों ने इसके लिए ब्रेक्जिट के पक्ष में मतदान किया था।

पाकिस्तान में इमारत में लगी आग, चार बच्चों सहित सात लोगों की मौत

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के भीड़-भाड़ वाले बाजार इलाके में एक पांच मंजिला इमारत में भीषण आग लगने से चार बच्चों सहित एक ही परिवार के सात लोगों की मौत हो गई। आपातकालीन सेवा विभाग के मुताबिक फैसलाबाद शहर के मोंटगोमरी बाजार इलाके की इमारत में शुक्रवार तड़के आग लग गई। यह इलाका लाहौर से करीब 130 किलोमीटर दूर है। इस आग में अब तक चार बच्चों सहित सात लोगों की मौत हो चुकी है, जिनके बारे में कहा जा रहा है कि वे एक ही परिवार के सदस्य हैं। जले हुए शवों को शहर के मुर्दाघर में भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि आग से बचने के लिए इमारत से कूदने वाले एक व्यक्ति को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। संकरी गलियों में होने के कारण दमकलकर्मियों को इमारत तक पहुंचने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि इमारत में केवल एक परिवार के रहने की बात कही जा रही है और संभवतः शार्ट-सर्किट होने के कारण यह आग लगी।

अमेरिका में गांजा रखने या इस्तेमाल के लिए जेल नहीं जाना होगा

वॉशिंगटन। अमेरिका में एक सीमित मात्रा में गांजा रखने या इस्तेमाल के लिए जेल नहीं जाना होगा। साथ ही इस तरह के आरोपों के लिए सजा काट रहे लोगों को भी जेल से रिहा किया जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने मारिजुआना रखने के दोषी हजारों अमेरिकियों को क्षमादान दे दिया। इस तरह उन्होंने मध्यावधि चुनाव से एक महीने पहले अपने समर्थकों से किए गए वादे को पूरा किया। बाइडन ने कहा कि मैं साधारण रूप से मारिजुआना रखने के सभी पूर्व अपराधों के लिए क्षमा की घोषणा कर रहा हूं। हालांकि उन्होंने इस पूरी तरह अपराध से मुक्त करने का आह्वान नहीं किया।

केजरीवाल के ही इशारे पर हिंदुओं की भावनाओं को आहत किया जा रहा: गौरव भाटिया

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के मंत्री राजेंद्र पाल गौतम को लेकर भाजपा जबरदस्त तरीके से हमलावार है। दरअसल, राजेंद्र पाल गौतम हाल में ही बौद्ध महासभा में शामिल हुए थे। इसमें हिंदू देवी-देवताओं को नहीं मानने की शपथ दिलाई गई। खुद गौतम स्टेज पर मौजूद रहे और शपथ लेते दिखाई दे रहे हैं। इसी के बाद से भाजपा लगातार हिंदुओं के देवताओं को अपमानित करने का आरोप लगा रही है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने गौतम के इस्तीफे की मांग कर दी है। इतना ही नहीं, भाजपा ने साफ तौर पर कहा है कि अरविंद केजरीवाल के ही इशारे पर हिंदुओं की भावनाओं को आहत किया गया है। भाटिया ने कहा कि आप के मंत्री ने जो वक्तव्य दिया है, वह ना केवल हिंदुओं की भावनाओं को आहत किया है, बल्कि राष्ट्र की अखंडता पर भी एक गहरा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल जी, वीडियो में जो शब्द बोले जा रहे हैं, यह स्पष्ट कर देता है कि आपको हिंदू धर्म से और हिंदू धर्म के अनुयायियों से किस तरह से नफरत है। वोट के खातिर केजरीवाल जी आप कितना गिरने वाले हो। भाटिया ने कहा कि चुनाव को देखते हुए वोट बैंक को साधने के लिए केजरीवाल जी के इशारे पर हिंदुओं की भावनाओं को आहत किया जाता है। वहां भी आहत आपका वह मंत्री करता है जिसका डिपार्टमेंट सोशल जस्टिस है। उन्होंने साफतौर पर कहा कि हम मांग करते हैं कि आप इसतरह के मंत्री को, जो नफरत फैला रहा है, जो दंगे कराना चाहता है।

गोदाम में मिली 120 करोड़ की ड्रग्स, एयर इंडिया के पूर्व पायलट समेत 6 गिरफ्तार

मुंबई। दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की खुदकुशी मामले में ड्रग्स एंगल आने के बाद से लगातार नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) मुंबई में छापेमारी कर ड्रग्स बरामद कर रही है. लेकिन ड्रग्स की तस्करी अबतक थमने का नाम नहीं ले रही है. इससे ये अंदाजा लगाया जा सकता है कि कितना बड़ा ड्रग्स का कारोबार फैला हुआ है. इस बीच एनसीबी ने मुंबई में एक गोदाम से 50 किलो मेफेड्रोन ड्रग्स जब्त की है. ड्रग्स की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 120 करोड़ आंकी गई है. इस संबंध में एयर इंडिया के एक पूर्व पायलट समेत 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है. दोनों आरोपी मुंबई के रहने वाले हैं. एनसीबी की टीम दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है. अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि ड्रग्स को कहां ले जाया जाना था।

पहले भी जब्त की गई है करोड़ों की ड्रग्स

बीते गुरुवार को राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 16 किलो हेरोइन को जब्त कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था. हेरोइन की कीमत करीब 80 करोड़ रुपए आंकी गई थी. डीआरआई अधिकारी के अनुसार, हेरोइन को एक ट्रॉली बैग के अंदर छुपाया गया था. जबकि इस साल अगस्त महीने में मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी-नारकोटिक्स सेल ने एक बड़े ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया था. मुंबई से सटे नालासोपारा में एक दवा निर्माण इकाई पर छापेमारी के बाद 1400 करोड़ रुपये कीमत का 700 किलोग्राम से ज्यादा मेफेड्रोन ड्रग्स जब्त की गई थी. इस दौरान पांच लोग गिरफ्तार किए गए थे. इस ड्रग को एक कंटेनर में रखा गया था और इसे दिल्ली ले जाया जा रहा था. वहीं सितंबर महीने में पुलिस ने मुंबई के नवा शेवा बंदरगाह से 20 टन हेरोइन जब्त की थी. अंतराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 1725 करोड़ रुपये बताई गई थी. हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर 5 किलो हेरोइन जब्त की गई थी. इस दौरान एक विदेशी नागरिक को भी गिरफ्तार किया था. इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 30 करोड़ रूपये से ज्यादा आंकी गई थी।

उद्धव ठाकरे गुट ने शिंदे की दशहरा रैली का उड़ाया मजाक, शिंदे ने रैली मोदी-शाह चालीसा पढ़ी

मुंबई। उद्धव ठाकरे गुट ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की दशहरा रैली को भारतीय जनता पार्टी समर्थित कार्यक्रम करार देकर शुक्रवार को यह कहकर मजाक उड़ाया कि शिंदे ने अपने भाषण के दौरान मोदी-शाह चालीसा पढ़ी। उद्धव गुट ने शिंदे के नेतृत्व वाले अलग हुए गुट को नकली शिवसेना करार दिया। शिवसेना के मुखपत्र सामना में छपे संपादकीय लेख में पार्टी ने दावा किया कि शिंदे गुट ने बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में आयोजित दशहरा रैली पर 50 करोड़ रुपये से 100 करोड़ रुपये खर्च किए होंगे। रैली में समर्थकों को लाने-ले जाने के लिए लगभग 2,000 बस बुक की गईं और कार्यक्रम में शामिल हुए दो लाख से अधिक लोगों को भोजन कराया गया। उद्धव नीत शिवसेना ने कहा, बीकेसी की रैली भाजपा समर्थित कार्यक्रमों में से एक थी। इस रैली पर खर्च की गई धनराशि का उपयोग कुछ विधायकों को खरीदने के लिए किया गया होगा। यह कार्यक्रम एक फैशन शो और एक सौंदर्य प्रतियोगिता की तरह था। सामना में छपे लेख के मुताबिक रैली शिवसेना के नाम पर आयोजित की गई थी, लेकिन यह भाजपा के एक कार्यक्रम की तरह ही थी, क्योंकि अपने भाषण में नकली शिवसेना के प्रमुख नेता (शिंदे) ने मोदी-शाह चालीसा (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की तारीफ करते हुए) को पढ़ा। दशहरा की शाम शिवसेना के दोनों धड़ों ने विशाल रैलियां कीं। ठाकरे ने जहां दादर इलाके के शिवाजी पार्क में अपनी रैली को संबोधित किया, वहीं शिंदे ने बीकेसी में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया।

दिल्ली, यूपी और उत्तराखंड के लिए अगले 48 घंटे में वर्षा का अलर्ट जारी

नई दिल्ली। उत्तर और दक्षिण से लेकर पूर्वोत्तर भारत में पोस्ट-मानसून वर्षा का क्रम जारी है, राजधानी दिल्ली, यूपी, उत्तराखंड और आस-पास के राज्यों में बीते दो दिनों से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। गुरूवार रात भी अच्छी बरसात हुई. वर्षा का यह क्रम शुक्रवार सुबह भी जारी रहा है। मौसम विभाग ने कई राज्यों में बारिश का येलो, ऑरेंज और रेड अलर्ट जारी किया है। आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक दिल्ली में 10 अक्टूबर तक मध्यम से तेज वर्षा होगी। वहीं, यूपी में भी बारिश का यह सिलसिला आज और कल जारी रहने वाला है। मौसम विभाग के मुताबिक बंगाल की खाड़ी से आ रही नम हवाओं और पश्चिमी विक्षोभ के एक बार फिर सक्रिय होने के चलते ऐसी मौसमी गतिविधियां बनी हैं। उत्तराखंड के कुमाऊं

और गढ़वाल क्षेत्र में अगले 24 घंटे में भारी से बहुत भारी बारिश होने की चेतावनी आईएमडी ने जारी की है। कुमाऊं क्षेत्र में रेड तो गढ़वाल क्षेत्र में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। कुमाऊं के 5 जिलों नैनीताल, चंपावत, अल्मोड़ा, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में शुक्रवार को स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है।

गढ़वाल के टिहरी और पौड़ी में भी शुक्रवार को स्कूल बंद रखे गए हैं। निजी मौसम एजेंसी स्काईमेट वेदर के मुताबिक उत्तर प्रदेश के बरेली, मुरादाबाद, रामपुर, बहराइच, लखीमपुर खीरी, लखनऊ, कानपुर, उन्नाव, प्रतापगढ़, फैजाबाद, गोरखपुर, गोंडा, बस्ती समेत पूर्वांचल के अन्य क्षेत्रों में अगले 24 घंटे के दौरान मध्यम से तेज बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। पश्चिमी यूपी के जिलों में भी 9 अक्टूबर तक बारिश होगी। आईएमडी ने यूपी के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल में येलो अलर्ट जारी है। गंगीय पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड में एक या दो स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। पूर्वोत्तर भारत, सिक्किम, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, कोंकण और गोवा, तटीय कर्नाटक, में हल्की से मध्यम बारिश संभव है।

हिमस्खलन में लापता हुए पर्वतारोहियों के 26 शव बरामद, 3 अब भी लापता

उत्तरकाशी। उत्तराखंड के द्रौपदी का डांडा शिखर पर हिमस्खलन में लापता हुए पर्वतारोहियों के 26 शव अब तक बरामद हुए हैं। जिसमें 2 ट्रेनर और बाकी सब ट्रेनी हैं। वहीं, 3 अब भी लापता हैं। शुक्रवार सुबह 7 और पर्वतारोहियों के शव मिले हैं। गुरुवार को 15 शव मिले थे। ये सभी शव ट्रेनी के थे। वहीं, मंगलवार को 4 पर्वतारोहियों के शव मिले थे। जिसमें 2 ट्रेनर और 2 ट्रेनी थे। गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग से माउंटेनर (हवास) की 14 सदस्यीय टीम मातली हेलीपैड पहुंचकर सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आईटीबीपी, भारतीय सेना और जिला प्रशासन की टीमों की ओर से बचाव अभियान जारी है। बचाव अभियान पर भी नजर रख रहा हूं।

दरअसल नेहरू पर्वतारोहण संस्थान की 61 लोगों की टीम हिमस्खलन की चपेट में आई थी, जिसमें 54 ट्रेनी और 7 ट्रेनर थे। द्रौपदी का डांडा प्रशिक्षण में कुल 41 ट्रेनर-ट्रेनी थे, जिसमें ट्रेनी 34 और 7 ट्रेनर थे। जिसमें 25 ट्रेनी और 5 ट्रेनर कुल 30 सकुशल हैं, जबकि 29 ट्रेनर-ट्रेनी लापता थे। इनमें से अब तक 26 लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं। देश के सर्वोच्च संस्थान, जिसे हाई एटीट्यूड ट्रेनिंग ट्रेनिंग और वॉर महारत हासिल गुलमर्ग स्थित वार फेयर स्कूल के 15 सदस्यीय टीम अब द्रौपदी का डांडा में रेस्क्यू कर रही है। नेहरू इंस्टिट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग ने रेस्क्यू अभियान में हाथ खड़े कर दिए हैं। नेहरू इंस्टिट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग के पास सिर्फ ट्रेनिंग से लेकर ही संसाधन है, जिसके बाद रक्षा मंत्रालय से अनुरोध करने पर गुलमर्ग स्थित भारतीय सेना के वॉर फेयर स्कूल की मदद ली जा रही है।

ज्ञानवापी मस्जिद: कथित शिवलिंग की कार्बन डेटिंग पर मुस्लिम पक्ष को सुनने के बाद अदालत देगी फैसला

मामले की अगली सुनवाई 11 अक्टूबर को होगी

वाराणसी। वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर से लगी ज्ञानवापी मस्जिद में मिले कथित शिवलिंग की कार्बन डेटिंग पर जिला जज डॉ अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने अपना आदेश टाल दिया है। हिन्दू पक्ष के वकील के अनुसार अदालत ने कहा कि मामले में हम कुछ स्पष्टीकरण चाहते हैं। मुस्लिम पक्ष का प्रति उत्तर सुनने के बाद अदालत अपना फैसला सुना सकती है। मामले की अगली सुनवाई 11 अक्तूबर को होगी। 11 अक्टूबर को ही अदालत पहले मुस्लिम पक्ष को सुनेगी। इसके बाद ही अदालत का आदेश आएगा है।

हिन्दू पक्ष के वकील विष्णु जैन ने कहा कि मुस्लिम पक्ष ने शपथ पत्र में इस वुजुखाना बताया है और वह भी चाहते हैं कि यह साफ हो कि वह फव्वारा है या शिवलिंग? कोर्ट ने हमारी एएसआई से जांच की बात मान ली है। जैन ने कहा कि कोर्ट ने हमसे दो बिंदुओं पर स्पष्टिकरण भी मांगा। पूछा कि क्या ज्ञानवापी मस्जिद के

अंदर पाया गया ढांचा इस सूट संपत्ति का हिस्सा है या नहीं? दूसरा, क्या न्यायालय वैज्ञानिक जांच के लिए कमीशन बना सकता है? हमने अपना जवाब प्रस्तुत कर दिया है। हमने कहा कि यह हमारी वाद संपत्ति का हिस्सा है और सीपीसी के आदेश 26 नियम 10ए के आधार पर न्यायालय को वैज्ञानिक जांच का निर्देश देने का अधिकार है। मुस्लिम पक्ष ने जवाब के लिए कुछ समय मांगा है। अब 11 अक्टूबर को मामले की सुनवाई होगी। उस दिन मुस्लिम पक्ष का जवाब सुनने के बाद अदालत आदेश दे सकती है। उधर, सिविल जज फास्ट ट्रैक कोर्ट सीनियर डिवीजन महेंद्र कुमार पांडेय की अदालत में ज्ञानवापी प्रकरण के दो प्रार्थनों पर सुनवाई टल गई है। गुरुवार को ही प्रार्थनों पत्रों पर सुनवाई होनी थी। मगर भरत मिलाप की स्थानीय छुट्टी से कचहरी में अवकाश होने के कारण शुक्रवार को कोर्ट खुलने पर सुनवाई की तारीख लगी। मगर शुक्रवार को भी अदालत की पीठासीन अधिकारी अवकाश पर होने के कारण सुनवाई नही हो सकी। इस मामले में अगली सुनवाई अब 11 अक्तूबर को होगी। इसके साथ ही ज्ञानवापी परिसर में मिले कथित शिवलिंग के पूजा-पाठ राग-भोग आरती करने की मांग लेकर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की ओर से सिविल जज सीनियर डिविजन कुमुदलता त्रिपाठी की अदालत में दाखिल अर्जी पर भी सुनवाई टल गई।

न्यूज़ ट्रैक....

उमरान को टीम में जगह न मिलने से ब्रेट ली हुए हैरान

सिडनी । पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रैट ली ने टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में तेज गेंदबाज उमरान मलिक को जगह नहीं मिलने पर हैरानी व्यक्त की है। ली ने कहा, 'टी20 विश्व कप टीम में उमरान को शामिल किया जाना चाहिये था। इस तेज गेंदबाज को तेज तर्रार और उछाल वाली पिच पर खेलते देखना हमें अच्छा लगता है। इस पूर्व तेज गेंदबान ने ऑस्ट्रेलियाई टीम में कैमरन ग्रीन को शामिल नहीं किये जाने पर भी सवाल उठाये हैं। उन्होंने कहा, 'मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि ग्रीन को किस कारण से जगह नहीं मिली।'उमरान ने आईपीएल 2022 में शानदार प्रदर्शन का सबका ध्यान खींचा था। उनकी गेंदबाजी की रफ्तार को देखकर सभी हैरान हो गये थे। उमरान ने जून 2022 में आयरलैंड के खिलाफ अपना पहला मैच खेला था। इस तेज गेंदबाज ने आईपीएल 2022 में कुल 22 विकेट लिए थे। उमरान ने अपने पहले ही डेब्यू मुकाबले में एक ओवर में 14 रन दिये थे। ली के अनुसार जब जसप्रीत बुमराह जैसा गेंदबाज टीम के साथ नहीं है तब उमरान टीम के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। भारतीय टीम के लिए हाल के लिए दिना में अंतिम ओवर की गेंदबाजी चिंता का कारण बनी है क्योंकि भुवनेश्वर कुमार सहित अन्य गेंदबाज प्रभावी नहीं रहे हैं।

गंभीर ने मेयर्स के शॉट पर उठाये सवाल

नई दिल्ली । टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने वेस्टइंडीज के बल्लेबाज काइल मेयर्स के एक शॉट पर सवाल उठाये हैं। गंभीर ने मेयर्स के शॉट का एक वीडियो भी साझा किया है। इसमें मेयर्स ब्रीसलैंड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में छक्का लगाते दिखे। गंभीर ने इस शॉट पर हैरानी जताते हुए एक ट्वीट किया है। गंभीर ने इस छक्के के वीडियो को ट्विटर पर शेयर करते हुए लिखा, आपको ऐसा शॉट खेलने की अनुमति नहीं है। मेयर्स ने स्वीपर कवर के ऊपर से यह छक्का लगाया। छोटी लेंथ की इस गेंद को काइल ने बैकफुट पर खड़े होकर ऑफ साइड में कवर की ओर मारा। ये शॉट गोल्डकोस्ट के बड़े मेट्रिकॉन स्टेडियम के दूसरी टीयर पर जाकर गिरा। इस छक्के की लंबाई 105 मीटर रही। मेयर्स इस मैच में वेस्टइंडीज की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्होंने 36 गेंदों में 39 रन बनाये जिसमें एक छक्का और पांच चौके शामिल थे।

पाक के खिलाफ जीत का सिलसिला बरकरार रखने उतरी भारतीय टीम

महिला एशिया कप: पाकिस्तान ने टॉस जीतकर चुनी बल्लेबाजी

सिलहट । महिला एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच बांग्लादेश के सिलहट में मुकाबला खेला जा रहा है। पाक टीम की कप्तान बिस्माह मारूफ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।भारतीय महिला क्रिकेट टीम शुक्रवार को महिला एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ जीत के इरादे से उतरी। भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में अब तक अपने तीन मैच जीते हैं जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। इस मैच में

भारतीय टीम का पलड़ा भारी है क्योंकि इससे पहले हुए राष्ट्रमण्डल खेलों में भी भारतीय टीम जीती थी। ऐसे में जहां पाक टीम दबाव में रहेगी , वहीं भारतीय टी बढ़े हुए मनोबल से उतरेगी। भारतीय टीम ने पिछले दो मैचों में अपनी टीम में बदलाव करते हुए अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया था पर इस मैच में टीम अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ उतरेगी। पाकिस्तान को इससे पहले हुए मैच में थाईलैंड की कमजोर टीम ने भी हरा दिया था। ऐसे में इस मैच में उसकी राह कठिन है। भारत-पाक टीमें अभी तालिका में पहले और दूसरे स्थान पर हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :-

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, दीप्ति शर्मा, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, सबिनेनी मेघना, ऋचा घोष (विकेटकीपर), स्नेह राणा, दयालन हेमलता, मेघना सिंह, रेणुका ठाकुर, पूजा वस्त्राकर, राजेश्वरी गायकवाड़, राधा यादव और केपी नवगिरे।

पाकिस्तान : बिस्माह मारूफ (कप्तान), ऐमान अनवर, आलिया रियाज, आयशा नसीम, डायना बेग, कायनात इम्तियाज, मुनीबा अली, निदा डार, ओमैमा सोहेल, सदफ शमास, सादिया इकबाल, सिदरा अमीन, सिदरा नवाज और तुबा हसन।

टी20 विश्व कप : पाक से मुकाबले के पहले चार अभ्यास मैच खेलेगी इंडिया

सिडनी । भारतीय क्रिकेट टीम 16 अक्टूबर से शुरू हो रहे टी20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंच गयी है। टीम इंडिया इसमें अपना पहला मुकाबला 23 अक्टूबर को पाकिस्तान से खेलेगी। पाक से मैच से पहले भारतीय टीम चार अभ्यास मैच 10 से 19 अक्टूबर के बीच खेलेगी। इसमें दो मैच वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जबकि बचे हुए दो मैच ऑस्ट्रेलिया ओर न्यूजीलैंड की टीमों से खेलेगी। भारतीय टीम इस दौरे में 14 खिलाड़ियों के साथ पहुंची है हालांकि टीम के साथ मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह शामिल नहीं हैं। बुमराह पीठ में दर्द के कारण इस सीरीज के लिए टीम के साथ नहीं किये गये हैं। उनकी जगह पर किस खिलाड़ी को शामिल किया जाएगा। इसका अभी तक खुलासा नहीं हुआ है हालांकि माना जा रहा है कि स्टैंडबाय खिलाड़ियों में शामिल तेज गेंदबाज मो शमी को बुमराह की जगह टीम में जगह मिलेगी। शमी अभी तक पूरी तरह से फिट नहीं है पर जैसे ही वह पूरी तरह ठीक होंगे। उन्हें टीम में शामिल कर लिया जाएगा।

मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के कहने पर पर अभ्यास मैच की व्यवस्था की गयी है जिससे खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलियाई हालातों में ढ़लने की आदत हो जाये। टीम इंडिया अन्य टीमों से पहले ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हुई है। इस बारे में टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि टीम में तकरीबन आधे खिलाड़ी ऐसे खिलाड़ी हैं जो पहली बार ऑस्ट्रेलिया दौरे पर आये हैं, इसलिए टीम प्रबंधन ऐसे खिलाड़ियों को समय देना चाहती है जिससे कि वह हालातों अनुसार ढ़ल सकें। टीम इंडिया का ध्यान अंतिम ओवरों में अपनी गेंदबाजी पर ध्यान देना है।

भारतीय टीम के अभ्यास मैचों का कार्यक्रम

10 अक्टूबर, भारत और वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया इलेवन
12, अक्टूबर, भारत और वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया इलेवन
17 अक्टूबर, भारत और ऑस्ट्रेलिया
19 अक्टूबर, भारत और न्यूजीलैंड ।

ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 के लिए घोषित की टीम

पर्थ । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने पर्थ में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पहले टी20 क्रिके मैच के लिए टीम घोषित कर दी है। ऑस्ट्रेलिया ने इस टीम में मार्कस स्टोइनिस, केन रिचर्डसन, एश्टन एगर, मिचेल स्वेपसन और नाथन एलिस को शामिल किया है। स्टोइनिस, रिचर्डसन और एगर की इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के साथ ही आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए टीम में वापसी हुई है। वहीं, विश्व कप की तैयारियों को देखते हुए चयनकर्ताओं ने स्वेपसन और एलिस भी पर्थ में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पहले मैच के लिए आराम दिया गया है ताकि ये दोनो तरोताजा होने के साथ ही फिट बने रहे।

इस कारण जाम्पा की जगह पर स्वेपसन को शामिल किया गया है। जाम्पा के अलावा मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, पैट कमिंस और ग्लेन मैक्सवेल भी विश्वकप की तैयारियों के सिलसिले में आराम दिया गया है। वहीं रिचर्डसन और मार्श ने इंग्लैंड के पहले मैच की तैयारी को देखते हुए पर्थ के लिए रवाना हो गए। जाम्पा, स्टार्क, हेजलवुड, कमिंस और मैक्सवेल कैनबरा में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे और तीसरे टी20 मैच के लिए टीम में शामिल किया जाएगा। इसके अलावा ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन को भी इंग्लैंड सीरीज के लिए टीम में रखा गया है।

सीए चयनसमिति के प्रमुख जार्ज बेली ने कहा, ' टीम और चयनसमिति ने इन मैचों को लेकर योजना बनाई है जिससे हमारी टीम विश्व कप में तरोताजा होकर उतरे। टीम के कुछ सदस्यों ने भी मुख्य टीम की तुलना में थोड़ी पहले तैयारी शुरू करने के लिए पर्थ की यात्रा की।' उन्होंने साथ ही कहा, 'कुछ खिलाड़ियों के तैयारी में लगे रहने के कारण नाथन एलिस और डेनियल सैम्स को इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए शामिल किया गया है। '

रोटरडम में महिलाओं की वॉलीबाल चैम्पियनशिप के दूसरे चरण के मुकाबले से पहले पुअर्टो रिको की खिलाड़ी एकसाथ नजर आयीं।

पीसीए अध्यक्ष चहल पर हितों के टकराव का आरोप

चंडीगढ़ । पंजाब क्रिकेट संघ (पीसीए) अध्यक्ष गुलजारिंदर चहल पर हितों के टकराव के आरोप लगे हैं। चहल पर ये आरोप एक जिला इकाई के अध्यक्ष ने लगाये हैं। इस मामले में चहल की शिकायत लोकपाल सह आचरण अधिकारी सेवानिवृत्त न्यायाधीश इंदरजीत सिंह से की गयी है। शिकायत में पीसीए प्रमुख पर आरोप हैं कि उन्होंने अपने कारोबार से जुड़ी चार्टर्ड अकाउंटेंट कंपनी को राज्य संघ के ऑडिट का काम दिया है जो नियमों के खिलाफ है। मोहाली जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह द्वारा दायर शिकायत में कहा गया, ''चहल ने पंजाब क्रिकेट संघ (पीसीए) के नियमों का उल्लंघन किया है।'' शिकायत के अनुसार, उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए 2022-23 सत्र के लिए पीसीए के ऑडिटर के रूप में मेसर्स अजय अलीपुरिया कंपनी, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को नियुक्त किया है जबकि इन लेखा परीक्षकों के साथ उनके व्यक्तिगत और पूर्व व्यावसायिक संबंध रहे हैं। इस शिकायत में कहा गया है कि इनका पारिश्रमिक 10 लाख रुपये तय किया गया और यह भी आरोप लगाया गया कि ऑडिटर की नियुक्ति के दौरान सही प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। शिकायतकर्ता ने लोकपाल से कहा है कि चहल ने पीसीए के नियमों आ सीधा उल्लंघन किया है इसलिए अब वह पीसीए अध्यक्ष के रूप में बने नहीं रह सकते हैं। वहीं दूसरी ओर चहल ने इसपर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

व्यापार न्यूज

बजाज कंपनी लांच करेगी तीन नई मोटरसाइकिल

नई दिल्ली । जल्द ही स्वदेशी कंपनी बजाज तीन नई मोटरसाइकिल लॉन्च करने जा रही है। ये तीनों ही मोटरसाइकिल पल्सर के वेरिएंट्स हो सकती हैं।तीनों वेरिएंट 125 सीसी से 150 सीसी इंजन ऑप्?शन के बीच में होंगे। इंडियन मार्केट को देखते हुए ये माइलेज ड्रिवन मोटरसाइकिल होंगी। हालांकि अच्छे माइलेज के साथ ही पावरफुल परफॉर्मेंट और ट्रेंडी लुक्स इन्हें बांकि मोटरसाइकिल्स से हट कर खड़ा करेंगे।बजाज आने वाले दिनों में पल्सर एन 125 का नया मॉडल उतार सकता है। सूत्रों के अनुसार ये एन सीरीज का सबसे सस्ता वेरिएंट होगा जिसकी सीधी टक्कर टीवीएस और हीरो की मोटरसाइकिलों से होंगे। हाल ही में इस मोटरसाइकिल का कैमोफ्लैज मॉडल भी सड़कों पर देखा गया था। इसमें 125 सीसी का इंजन होगा।एन 125 के साथ ही पल्सर अंब्रेला के ही नीचे कंपनी एन 150 लॉन्च कर सकती है। इसी के साथ कंपनी एन 160 मॉडल के प्रोडव?शन को बंद कर देगी। ये फीचर्स के मामले में बिल्कुल 160 जैसी ही होगी। हालांकि इसमें 150 सीसी या 180 सीसी के इंजन का इस्तेमाल किया जाएगा ये अभी तय नहीं किया गया है। साथ ही इस मोटरसाइकिल में डुअल चैनल एबीएस हो सकता है।क्रई देशकों से बाजार में अपनी जगह को कायम रखने वाली पल्सर 150 का नया मॉडल जल्द ही बजाज भारतीय बाजार में उतारेगा। माना जा रहा है कि आने वाले कुछ हफ्तों में ही इसकी लॉन्?चिंग हो जाएगी। ये अपडेट वर्ज होगा जो अपने मौजूदा इंजन के साथ ही आएगा।

इलेक्ट्रिक कार में 4 व्हील ड्राइव तकनीक का इस्तेमाल करेगी टाटा कंपनी

नई दिल्ली । टाटा मोटर्स कंपनी अपनी आने वाली इलेक्ट्रिक कार में 4 व्हील ड्राइव तकनीक का इस्तेमाल करेगी। यह कहना है कंपनी के पैसेंजर व्हीकल बिजनेस हेड शैलेश चंद्रा का। चंद्रा ने कहा कि वर्तमान में टाटा नेक्सन, हैरियर और कई मॉडल्स में इस तकनीक का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। यहां तक कि कंपनी के फ्लैगशिप मॉडल्स में भी एडब्ल्यूडी टेक्नोलॉजी यूज नहीं की जा रही है। अब कंपनी अपने अपकमिंग इलेक्ट्रिक कारों में इसका इस्तेमाल करेगी। जैसा कि हमने पहले बताया है, घरेलू वाहन निर्माता अगले 5 वर्षों में (यानी 2025 तक) 10 इलेक्ट्रिक कारों को उतारेगा। कंपनी एडब्ल्यूडी के लिए नई इलेक्ट्रिक एसयूवी पर विचार कर रही है जो नेक्सन ईवी से ऊपर प्लेस की जाएगी। इसने हाल ही में टाटा टियागो ईवी की कीमतों और विवरणों का खुलासा किया जो जनवरी 2023 में बिक्री के लिए आएंगे। इलेक्ट्रिक हैचबैक के लिए आधिकारिक बुकिंग 10 अक्टूबर, 2022 से शुरू होगी। मॉडल लाइनअप एक्सई, एक्सटी, एक्सझेड+ और एक्सझेड+ टेक लक्स ट्रिम्स में आता है, जिसकी कीमत 8.49 लाख रुपये से 11.79 लाख रुपये (सभी, एक्स-शोरूम) है। टाटा टियागो ईवी देश की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार है। आने वाली नई टाटा इलेक्ट्रिक एसयूवी तीन अलग-अलग प्लेटफॉर्म ह्व आईसी से ईवी रूपांतरण, जेन 2 (सिग्मा प्लेटफॉर्म) और जेन 3 (बॉर्न इलेक्ट्रिक स्केटबोर्ड आर्किटेक्चर) पर आधारित होगी।

कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमत तेज

नई दिल्ली । पेट्रोल निर्यातक देशों के संगठन की ओर से उत्पादन में कटौती के बाद अब कच्चे तेल के दाम फिर से बढ़ने लगे हैं। वैश्विक बाजार में शुक्रवार को एक बार फिर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 94.42 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है, जबकि डब्ल्यूटीआई 88.53 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। छत्तीसगढ़ में 0.40 रुपए बढ़कर पेट्रोल 103.58 रुपए, डीजल 96.55 रुपए, गुजरात में पेट्रोल 0.21 रुपए बढ़कर 96.42 रुपए, डीजल 92.17 रुपए बढ़कर 94.28 रुपए, झारखंड में 0.26 रुपए बढ़कर पेट्रोल 100.21 रुपए और डीज़ल 95 रुपए प्रति लिटर पहुंच गया है। इसके अलावा कुछ अन्य राज्यों में भी तेल की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, देश के चारों महानगरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

कमजोरी के साथ शेयर बाजार की शुरुआत

सेंसेक्स 230 अंक गिरकर 57,985 और निफ्टी 17,261.85 पर

मुंबई । वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों की वजह से शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में प्रमुख शेयर सूचकांकों में गिरावट देखी गई। इस दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 236.59 अंक गिरकर 57,985.51 पर कारोबार कर रहा था, जबकि व्यापक एनएसई निफ्टी 69.95 अंक गिरकर 17,261.85 पर आ गया। सेंसेक्स में इंडसइंड बैंक, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा,

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस और आईटीसी गिरने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल थे। दूसरी ओर टाइटन, मारुति, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और रिलायंस इंडस्ट्रीज में बढ़त हुई। रुवार को सेंसेक्स 156.63 अंक की बढ़त के साथ 58,222.10 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 57.50 अंक चढ़कर 17,331.80 पर बंद हुआ। इस बीच अंतरराष्ट्रीय तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 0.07 प्रतिशत गिरकर 94.35 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर आ गया। शेयर बाजार के अस्थाई आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गुरुवार को 279.01 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

अमेरिकी बाजारों में गिरावट

मुंबई । अमेरिका और यूरोप में आर्थिक मंदी की आशंका के चलते वैश्विक बाजारों में गिरावट का दौर जारी रहा। पिछले कारोबारी सत्र में अमेरिका के सभी प्रमुख शेयर बाजार नुकसान में रहे। एसएंडपी 1.02 फीसदी टूटा तो वहीं नेस्डेक में 0.68 फीसदी की गिरावट देखने को मिली। दूसरी तरफ यूरोपीय बाजार का भी यही हाल रहा। यूरोप के प्रमुख शेयर बाजार में शामिल जर्मनी का स्टॉक एक्सचेंज 0.37 फीसदी टूटा तो वहीं फ्रांस का शेयर बाजार 0.82 फीसदी गिरकर बंद हुआ। इसके अलावा लंदन का स्टॉक एक्सचेंज 0.78 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ

जर्मनी के कोलोन में ई-बाइक मेले को देखने भारी तादाद में पहुंचे लोग।

भारत में सर्विस सेक्टर की गतिविधि सितंबर में छह माह के निचले स्तर पर

नई दिल्ली । भारत में सर्विस सेक्टर की गतिविधि सितंबर में छह माह के निचले स्तर पर पहुंच गई। इस दौरान महंगाई के दबाव के बीच नए व्यापार में सबसे धीमी दर से बढ़ोतरी हुई। एसएंडपी ग्लोबल इंडिया सर्विस परचेजिंग मैनेजर इंडेक्स (पीएमआई) अगस्त में 57.2 से घटकर सितंबर में 54.3 पर आ गया। मार्च के बाद सबसे धीमी दर से विस्तार को दिखाता है। हालांकि, लगातार 14वें महीने सेवा क्षेत्र की गतिविधि में विस्तार दिखाई दिया। जानकार ने कहा, भारतीय सेवा क्षेत्र ने हाल के महीनों में कई बाधाओं को पार किया है। ताजा पीएमआई आंकड़े सितंबर में वृद्धि की गति के कुछ धीमा पड़ने के बावजूद मजबूत प्रदर्शन को दिखाते हैं। सर्वे में कहा गया है कि कीमतों के दबाव, प्रतिस्पर्धी माहौल और प्रतिकूल सार्वजनिक नीतियों के कारण वृद्धि बाधित हुई है। दरअसल अमेरिका में ब्याज दरों में बढ़ोतरी के कारण रुपये में तेज गिरावट से भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अतिरिक्त चुनौतियां पैदा हुई हैं। इस बीच, सर्विस प्रोवाइडर्स ने हाइयर एनर्जी, फूड, लेबर और मटेरियल कॉस्ट की बढ़ी हुई लागत के कारण सितंबर में अपने खर्चों में और बढ़ोतरी का संकेत दिया है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) द्वारा मापी गई भारत की प्रमुख मुद्रास्फीति दर, जुलाई के पांच महीने के निचले स्तर 6.71 प्रतिशत से अगस्त में 7 प्रतिशत पर लौट आई है। फिलहाल भारतीय रिजर्व बैंक महंगाई दर 2-6 प्रतिशत काबू में नहीं कर पाया है, जिसे की आमतौर पर सही माना जाता है।

रिलायंस जियो उतारने जा रही सस्ता लैपटॉप

नई दिल्ली । जानीमानी स्वदेशी कंपनी रिलायंस जियो सस्ता लैपटॉप उतारने जा रही है। इसका नाम जियोबुक रखा गया है और इसकी कीमत मात्र 15,000 रुपये यानी 184 डॉलर होगी। अभी देश के लैपटॉप मार्केट में एचपी, डेल और लेनोवो का दबदबा है। लेकिन रिलायंस के उतरने से इन कंपनियों को कड़ी टक्कर मिलने का संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक रिलायंस जियो के लैपटॉप में 4जी सिम लगा होगा। कंपनी ने इसके लिए दुनिया की जानी मानी कंपनियों क्वालकॉम और माइक्रोसॉफ्ट का साथ हाथ मिलाया है। क्वालकॉम इसके लिए चिप टेक्नोलॉजी देगी जबकि माइक्रोसॉफ्ट कुछ एप्स के लिए सपोर्ट देगी। जियो देश की सबसे बड़ी टेलिकॉम कंपनी है। उसके ग्राहकों की संख्या 42 करोड़ से अधिक है। हालांकि कंपनी ने जियोबुक के बारे में तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। सूत्रों का कहना है कि स्कूलों और सरकारी संस्थानों में रिलायंस का लैपटॉप इसी महीने मिल जाएगा। अगले तीन महीने में इसका कंज्यूमर लॉन्च किया

जा सकता है। जियोफोन की तरह इसका भी 5जी वर्जन बाद में आएगा।

जियोफोन के पिछले साल लॉन्च किया गया था। यह 100 डॉलर से कम कैटगरी में टॉप सेलिंग स्मार्टफोन है। जानकारी के मुताबिक पिछली तीन तिमाहियों में इसने 20 फीसदी मार्केट पर कब्जा कर लिया है। जियोबुक को देश में ही बनाया जाएगा। कंपनी ने इसके लिए कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर फ्लेक्स से हाथ मिलाया है। कंपनी को उम्मीद है कि वह लैपटॉप में भी जियोफोन जैसी सफलता दोहराने में कामयाब रहेगी। कंपनी मार्च तक लाखों लैपटॉप बेचने का लक्ष्य लेकर चल रही है। काउंटर प्वाइंट के एनालिस्ट तरुण पाठक के मुताबिक जियोबुक के लॉन्च से देश में लैपटॉप मार्केट सेगमेंट में कम से कम 15 फीसदी तेजी आने की उम्मीद है। इस लैपटॉप पर जियो का अपना ऑपरेटिंग सिस्टम जियोओएस लगा होगा और इसमें जियोस्टोर से एप्स डाउनलोड किए जा सकेंगे। जियो ऐसे कॉरपोरेट कर्मचारियों को लक्ष्य बनाकर चल रही है जो अभी घर से काम कर रहे हैं। ऐसे लोगों के लिए जियो का लैपटॉप टैब्लेट्स का विकल्प बन सकता है। जियो ने 2020 में केकेआर एंड कंपनी इंक और सिल्वर लेक जैसे दिग्गज निवेशकों से करीब 22 अरब डॉलर जुटाए थे। कंपनी ने 2016 में टेलिकॉम सेक्टर में तहलका मचाया था। कंपनी ने पिछले साल सस्ता 4जी स्मार्टफोन उतारा था। अब लैपटॉप में भी इस सफलता को दोहराना चाहती है। रिसर्च फर्म आईडीसी के मुताबिक पिछले साल देश में 1.48 करोड़ पीसी को बिक्री के लिए भेजा गया। अभी

रुपया 16 पैसे टूटकर 82 पर

मुंबई । अमेरिकी मुद्रा की तेजी और कारोबारियों द्वारा जोखिम से बचने की प्रवृत्ति के कारण रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 16 पैसे टूटकर 82.33 के सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 82.19 पर खुला और आगे गिरकर 82.33 पर आ गया। इस तरह रुपया पिछले बंद भाव के मुकाबले 16 पैसे टूट गया। भारतीय मुद्रा शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले पहली बार 82 के स्तर से नीचे बंद हुई थी। बीते कारोबारी सत्र में रुपया 55 पैसे गिरकर 82.17 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.14 प्रतिशत टूटकर 112.10 पर था।

ज्यादा नींद आने के कारण

दुनियाभर में करीब तिहाई जनसंख्या अनिद्रा की शिकार है। पर, ऐसे भी लोग हैं, जिन्हें हर समय नींद आती रहती है और किसी काम में मन नहीं लगता। अगर आपके साथ ऐसा है तो यह हाइपरसोम्निया हो सकता है! हाइपरसोम्निया एक स्लीप डिसॉर्डर है, जिसमें रात में बहुत नींद आने के बाद भी सुबह उठने में भी परेशानी होती है। इससे पीड़ित लोगों को सारा दिन नींद आती रहती है, चाहे काम कर रहे हों या बात कर रहे हों। दिक्कत तब होती है कि जब दिन में 1-2 बार झपकी लेने के बाद भी तरोताजा महसूस नहीं करते। यह जीवन के लिए घातक स्थिति नहीं है, लेकिन इससे जीवन की गुणवत्ता प्रभावित होती है और कई रोगों का खतरा बढ़ जाता है।

दो तरह के स्लीप डिसॉर्डर

प्राइमरी हाइपरसोम्निया: यह सोने और जागने की क्रिया को नियंत्रित करने वाले मस्तिष्क के तंत्र में खराबी आने से होता है।

सेकेंडरी हाइपरसोम्निया: यह उस स्थिति का परिणाम होता है, जिसके कारण गहरी नींद नहीं आती और थकान होती है। जैसे स्लीप एप्निया, इसके कारण रात में सांस लेने में परेशानी होती है और कई बार नींद खुलती है। कई दवाओं, कैफीन और एल्कोहल का अधिक मात्रा में सेवन भी हाइपरसोम्निया का कारण बन सकता है। थाइरॉएड और किडनी की परेशानियों में भी ऐसा होता है।

इन लक्षणों से पहचानें: हाइपरसोम्निया का सबसे प्रमुख लक्षण है लगातार थकान बनी रहना। अधिक नींद लेने के बाद भी सुबह उठने में परेशानी होना। इसके अलावा ऊर्जा की कमी, चिड़चिड़ापन, एंग्जाइटी, भूख न लगना, सोचने और बोलने में परेशानी होना, बेचैनी व चीजों को याद न रख पाना आदि लक्षण देखने को मिलते हैं।

कारण

- स्लीप डिसॉर्डर नैक्रोप्लास्टी (दिन में उनींदापन महसूस करना) और स्लीप एप्निया (रात में नींद में सांस रुक जाना)।
- लगातार कई रातों तक नींद पूरी न हो पाना। शिफ्ट जॉब में काम करना
- मोटापा और शारीरिक सक्रियता की कमी
- नशीली दवाओं व शराब का सेवन
- कैफीन का अधिक मात्रा में सेवन
- सिर में चोट लग जाना या कोई न्यूरोलॉजिकल समस्या

कुछ दवाओं का असर

- **आनुवंशिक कारण:** कई मानसिक और शारीरिक समस्याएं जैसे अवसाद, हाइपो-थाइरॉएडिज्म और किडनी संबंधी रोग।
- **जांच व उपचार:** हर समय बहुत नींद आती है तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। डॉक्टर आपके सोने-उठने के समय, अवधि, खानपान की आदतों, भावनात्मक समस्याओं और स्वास्थ्य स्थिति के बारे में पूछेगा। डॉक्टर कुछ जरूरी टेस्ट कराने के लिए भी कह सकता है जैसे ब्लड टेस्ट, कम्प्यूटेड टोमोग्राफी स्कैन (सीटी स्कैन), पोली-सोमनोग्रॉफी (स्लीप टेस्ट)। अधिक गंभीर मामलों में इलेक्ट्रोइन्सेफैलोग्राम (ईईजी) कराने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा नींद के दौरान हृदय की धड़कनों, सांसों और मस्तिष्क की गतिविधियों पर नजर रखी जाती है। मरीज की स्थिति के अनुसार ही उन्हें दवाएं दी जाती हैं।

क्या होता है नुकसान

- **डायबिटीज:** हाइपरसोम्निया से डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है। जो लोग हर रात में नौ घंटे से अधिक सोते हैं, उनमें डायबिटीज की आशंका उन लोगों की तुलना में 50 फीसदी अधिक होती है, जो सात घंटे की नींद लेते हैं।
- **डिप्रेशन:** अत्यधिक सोने से अवसाद के लक्षण और गंभीर हो सकते हैं। दिन में उनींदापन और किसी काम पर ध्यानकेंद्रित न कर पाना अवसाद को और बढ़ा देता है।
- **मोटापा:** अध्ययन कहते हैं कि जो लोग लगातार छह वर्षों तक हर रात 9-10 घंटे की नींद लेते हैं, उनमें मोटापे का खतरा, उन लोगों की तुलना में 21 प्रतिशत तक बढ़ जाता है, जो 7-8 घंटे की नींद लेते हैं। इसके अलावा अधिक सोने वालों में सिरदर्द व कमर दर्द की समस्या भी अधिक होती है। कम उम्र में मृत्यु का खतरा भी बढ़ता है।

कैसे बचें

- नियत समय पर सोएं।
- आठ घंटे से अधिक न सोएं।
- नियमित व्यायाम करें।
- एल्कोहल व कैफीन का सेवन कम करें।
- पौष्टिक खाना खाएं।
- योग और ध्यान करें।
- गैजेट्स का इस्तेमाल कम करें।

सीपीआर से कम हो सकती हैं हृदयघात से होने वाली मौतें

दिल की बीमारी (कार्डियोवस्कुलर) रोग के शिकार रहे लोगों को अचानक कार्डिएक अरेस्ट (हृदयघात) होने का खतरा बढ़ जाता है। अचानक कार्डिएक अरेस्ट (एससीए) में दिल एकाएक धड़कना बंद कर देता है और ऐसा बिना किसी चेतावनी के होता है। इस शोध के निष्कर्षों से पता चला कि एससीए की घटनाएं काफी दुर्लभ है, लेकिन इसमें पीड़ित के जीवित रहने की संभावनाएं काफी कम होती हैं। शोधकर्ताओं ने कहा कि ऐसा इसलिए होता है क्योंकि पीड़ित व्यक्ति का सहयोगी तुरंत उसे सीपीआर (फुफुसीय पुर्नजीवन) दे पाने में नाकाम रहता है। वहीं सीपीआर देकर ज्यादा से ज्यादा जानें बचाई जा सकती है।

शोध के निष्कर्षों से पता चलता है कि लोगों को एससीए के दौरान सीपीआर देने के लिए शिक्षित करने की जरूरत है। इससे बढ़ी तादाद में जान बचायी जा सकती है। जागरुकता की कमी भी इसका एक कारण है। कोरोनरी धमनी रोग या दिल का दौरा ऐसी ही बीमारी है जिससे हृदय गंभीर रूप से बीमार हो सकता है और मरीज की जान को जोखिम पहुंचा सकता है। कोरोनरी धमनी रोग होने पर हृदय की मांसपेशियों में रक्त की आपूर्ति कम हो जाती है और धीरे-धीरे रक्त प्रवाह पूरी तरह बंद हो जाता है। जो मरीज मधुमेह से पीड़ित होते हैं उनमें हृदयघात होने की संभावना बढ़ जाती है। एक आंकड़े के अनुसार सामान्य लोगों की अपेक्षा मधुमेह रोगियों में दिल का दौरा पड़ने की संभावना 2 से 4 गुना बढ़ जाती है. इसलिए ब्लड शुगर लेवल का पूरा ध्यान रखना चाहिए। उच्च रक्तचाप भी हृदय रोग होने का एक महत्वपूर्ण कारक है। चिकित्सकीय जगत में इसे साइलेंट किलर भी कहा जाता है। उच्च रक्तचाप में व्यक्ति को सिरदर्द एवं चक्कर आने जैसे लक्षण महसूस होते हैं, लेकिन कई बार ऐसा होता है कि मरीजों को उच्च रक्तचाप से संबंधित किसी लक्षण का पता ही नहीं लग पाता और यह गंभीर हृदय रोगों में बदल जाता है।

जब रक्तचाप का लेवल सामान्य से कम हो जाता है तो उसे निम्न रक्तचाप कहते हैं

निम्न रक्तचाप के कुछ प्रमुख कारण हैं: लंबे समय तक बेड पर रहना, अत्यधिक रक्तस्राव, गंभीर संक्रमण और सेप्सिस, हार्ट अटैक, गंभीर एलर्जी, रिएक्शन (एनाफिलेक्सिस) एवं हार्मोन संबंधी समस्याएं।

कोलेस्ट्रॉल लेवल: कोलेस्ट्रॉल वसायुक्त पदार्थ है जो हमारे शरीर में होता है। मस्तिष्क और सेलुलर फंक्शंस को बनाने के लिए कोलेस्ट्रॉल की कुछ मात्रा की आवश्यकता होती है।

बस एक ब्लड टेस्ट से मिलेगी डिमेंशिया की जानकारी

अब डिमेंशिया का काफी पहले पता लगाया जा सकेगा। बढ़ती उम्र से जुड़ी भूलने की इस बीमारी का पता दो दशक पहले ही चल जाएगा। एक हालिया अध्ययन के मुताबिक साधारण ब्लड टेस्ट के जरिए बीमारी के लक्षण दिखने से 16 साल पहले ही डिमेंशिया की जांच की जा सकेगी। इस तरह रोग की आहट से पहले ही रोग का पता चल सकेगा और वक्त रहते रोकथाम कर पाना संभव होगा।

दरअसल शोधकर्ता लंबे समय से यह जानते हैं कि डिमेंशिया की बीमारी में एक निश्चित प्रोटीन की मात्रा बढ़ जाती है, जो मस्तिष्क की कोशिकाओं में लीक होने के बाद सेरेब्रोस्पाइनल फ्लुड में चला जाता है लेकिन इस प्रोटीन को कैसे मापा जाए, इस बारे में पता नहीं लगा सके थे। मगर, वैज्ञानिकों का कहना है कि वह रक्त जांच में अब इस प्रोटीन को डिटेक्ट कर सकते हैं। इतना ही नहीं, इस प्रोटीन के स्तर के साथ ही उसके बढ़ने की गति की भी जांच की जा सकती है। टेस्ट में देखा जा सकेगा कि क्या प्रोटीन उसी गति से बढ़ रहा है, जिस गति से मस्तिष्क के न्यूरॉन खत्म हो रहे हैं और मस्तिष्क सिकुड़ रहा है।

सस्ता, आसान और अच्छा है ब्लड टेस्ट। सेंट लुई में वाशिंगटन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिकल की टीम द्वारा किए गए इस अध्ययन के बाद वैज्ञानिकों का कहना है कि ब्लड टेस्ट बेहद आसान है। इसके परिणाम अच्छे हैं, फास्ट है और सबसे बड़ी बात सस्ता है। क्लीनिक में ब्रेन कंडीशन की रुटीन जांच में यह ब्लड टेस्ट अहम भूमिका निभा सकता है। प्रोटीन की जांच करने वाला यह ब्लड टेस्ट मिडिल एज में किया जाएगा। ठीक उस अवस्था से पहले, जबअधिकतर लोगों में एल्जाइमर जैसी बीमारी का पता चलता है।

शुरुआती लक्षणों का पता लगाया जा सकेगा: वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि यह परीक्षण अल्जाइमर के शुरुआती लक्षणों और अन्य न्यूरोडिजेनरेटिव डिसऑर्डर का पता लगाने में मददगार साबित होगा। कुछ वर्षों में इसे क्लीनिक में इस्तेमाल होते देखा जा सकेगा। वैज्ञानिकों का कहना है कि अभी हम उस पड़ाव पर नहीं हैं, जहां इस जांच के बाद व्यक्ति को कह सकें कि पांच साल बाद आपको डिमेंशिया होगा। लेकिन, उस कदम की ओर बढ़ जरूर रहे हैं और जल्द कामयाबी मिलने की संभावना है।

लाइलाज है डिमेंशिया: इससे जूझ रहे रोगी की याददाश्त में कमी आ जाती है और संज्ञानात्मक बोध कम हो जाता है।

न्यूरॉन में देखी गई कमी: अध्ययन में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों में दोषपूर्ण जीन वैरिएंट वाले 40 लोग थे। अपनी पिछली क्लीनिकल जांच के दो साल बाद उनका ब्रेन स्केन और संज्ञानात्मक परीक्षण हुआ। शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन प्रतिभागियों के प्रोटीन में दो साल के अंतराल पर जादुई इजाफा हुआ, उनके उनके मस्तिष्क में न्यूरॉन की कमी और सिकुड़न भी देखी गई। मेमोरी टेस्ट और संज्ञानात्मक परीक्षण में भी उनकी प्रस्तुति खराब निकली।

साधारण ब्लड टेस्ट किट से किया परीक्षण: परीक्षण में न्यूरोफिलामेंट नाम के प्रोटीन का पता लगाया गया है। आमतौर पर मस्तिष्क की कोशिकाओं के क्षतिग्रस्त या मृत होने के बाद यह प्रोटीन रक्त और सेरेब्रोस्पाइनल फ्लुड में लीक होता है। लक्षण प्रकट होने से 16 साल पहले बीमारी का पता चलना बहुत प्रारंभिक प्रक्रिया है, लेकिन हम अंतर देख पाए हैं।

आसन से डायबिटीज और पेट की बीमारियां रहेंगी दूर

डायबिटीज और पेट की बीमारियां को दूर रखने में योग सहायक साबित हुआ है। योग में बताये गये आसन अगर आप करते हैं तो डायबिटीज और पेट की बीमारियों से काफ़ी हद तक बचाव हो सकता है। इसमें लाभकारी आसान हैं।

मंडूक आसन: इसे करने के लिए जमीन पर वज्रासन की मुद्रा में बैठ जाएं। अब दोनों हाथों के अंगूठे अंदर करते हुए मुट्ठी बंद कर नाभी के पास लगाएं। सांस अंदर लें और बाहर छोड़ दें। पेट को अंदर करते हुए नीचे आएं और दोनों कंधों को घुटनों पर टिका दें। इस अवस्था में शुरुआत में जितनी देर आराम से हो सके रुकें। वैसे इस आसन को एक से 5 मिनट एक आसन करना है। फिर धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में लौट आएं। इस आसन को करने का एक तरीका और भी हैं। इसमें भी जमीन या समतल जगह पर वज्रासन में बैठ जाएं। गहरी सांस अंदर लें और फिर पूरा बाहर निकाल दें। अब अपना दाहिना हाथ नाभी को कवर करते हुए उसके ऊपर रख दें। दूसरी हथेली को उसके ऊपर रखें और पहले की तरह नीचे की ओर झुकें। दोनों कंधों को घुटनों पर टिका दें। यथाशक्ति कुछ देर इसी अवस्था में रुकें और फिर धीरे-धीरे वापस आ जाएं। इस आसन को वज्रासन में करने में दिक्कत हो रही हो तो सुखासन में भी किया जा सकता है।

फायदे: यह पेट के लिए बहुत फायदेमंद है। इससे अग्नयाशय सक्रिय होता है जिससे डायबिटीज के रोगियों को लाभ मिलता है। इस आसन को करने से मांसपेशियां मजबूत होती हैं और पेट की चर्बी घटती है। यह घुटनों और मांसपेशियों को स्ट्रेंट्रेच करता है। साथ ही यह रीढ़ को आराम देता है और पीठ दर्द या पीठ संबंधी परेशानियों से निजात दिलाता है। यह उदर और हृदय रोग में भी लाभदायक होता है। इस योगासन से ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है। कब्ज, गैस, भूख न लगना, अपच आदि पेट संबंधी रोगों को ठीक करता है।

ग्रोथ हार्मोन्स बनाये रखता है युवा

ह्यूमन ग्रोथ हार्मोन हमारे शारीरिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ये हार्मोन कोशिकाओं के निर्माण और पुनर्निर्माण को बहाल रखता है और आपको युवा बनाए रखता है। वसा इस हार्मोन के निर्माण पर नकारात्मक असर डालती है। ग्रोथ हार्मोन यानी एचजीएच कोशिका प्रजनन और पुनर्निर्माण को बढ़ाता है। कम उम्र में ग्रोथ हार्मोन का निर्माण बहुत बड़ी मात्रा में होता है और यही ग्रोथ हार्मोन हमें युवा बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है, लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, हमारा शरीर ग्रोथ हार्मोन बनाना कम कर देता है। इतना ही नहीं 30 की आयु के बाद हमारे शरीर की ग्रोथ हार्मोन बनाने की क्षमता हर दशक यानी हर 10 सालों में 25 फीसदी तक घट जाती है।

क्या होता है एचजीएच

हमारे शरीर में पाया जाने वाला जरूरी हार्मोन है ह्यूमन ग्रोथ हार्मोन, जो शरीर में मांसपेशियों और कोशिकाओं के विकास में मदद करता है। एचजीएच का उत्पादन पिट्यूटरी ग्लैंड में होता है। इस हार्मोन के बिना शरीर में मांसपेशियों का गठन और हड्डियों का घनत्व (बोन डेंसिटी) बढ़ना नामुमकिन है।

कद बढ़ाने में मददगार

किसी भी व्यक्ति के कद को बढ़ाने में जिस तत्व का सबसे बढ़ा योगदान होता है, वह है ह्यूमन ग्रोथ हार्मोन। पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम लेना भी हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है। कैल्शियम से ना सिर्फ हमारी हड्डियां मजबूत होती हैं, बल्कि इसके साथ- साथ कद भी बढ़ता है। योग से भी अपने कद को प्राकृतिक रूप से बढ़ा सकते हैं। योग आपको तनाव मुक्त करने के साथ-साथ शारीरिक विकास को भी नया रंग देता है।

चीनी करें कम

डायबिटीज से ग्रस्त लोगों के मुकाबले बिना डायबिटीज वाले लोगों में ग्रोथ हार्मोन का स्तर 3 से 4 गुना ज्यादा होता है। इंसुलिन को सीधे तौर पर प्रभावित करने के साथ ही ज्यादा चीनी लेने से वजन और मोटापा भी तेजी से बढ़ता है और इसका प्रभाव ग्रोथ हार्मोन के स्तर पर पड़ता है। कभी-कभार चीनी लेने से आपके ग्रोथ हार्मोन के स्तर पर कोई प्रभाव नहीं होता। पर, ज्यादा से ज्यादा स्वस्थ और संतुलित आहार लेने का प्रयास करना चाहिए। जो भी आहार लेते हैं, उसका अधिकतर प्रभाव आपके स्वास्थ्य, हार्मोन और शरीर की बनावट पर पड़ता है।

सोने से पहले ज्यादा न खाएं

अधिक कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन वाला आहार इंसुलिन को बढ़ा देता है और रात के समय बनने वाले ग्रोथ हार्मोन को रोक देता है। खाने के दो से तीन घंटे बाद इंसुलिन का स्तर कम हो जाता है, फिर भी रात में अधिक कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन न लें।

जीवनशैली में परिवर्तन करें

गंभीर या निरंतर तनाव शरीर में एचजीएच की उपस्थिति कम कर देता है। हंसी से शरीर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है और इस हार्मोन में वृद्धि होती है। फिल्म देखना भी फायदेमंद है।

ग्रोथ हार्मोन की दवा

ग्रोथ हार्मोन की कमी को पूरा करने के लिए बहुत दवाएं उपलब्ध हैं, लेकिन इन्हें खुद से नहीं लिया जाना चाहिए। डॉक्टर जरूरी समझते हैं तो ही वे निश्चित अवधि के लिए इससे संबंधित जरूरी दवा देते हैं।

एचजीएच के साइड इफेक्ट्स

बिना जरूरत इस हार्मोन के इस्तेमाल से कई परेशानियां खड़ी हो सकती हैं। इसके चलते शरीर का कोई भी अंग बढ़ सकता है, जैसे हाथ, पैर, जबड़ा। इसके दुष्प्रभावों में टाइप 2 डायबिटीज भी शामिल है।

कैसे बढ़ता है एचजीएच

आपके व्यायाम शुरू करने के आधे घंटे बाद शरीर में ग्रोथ हार्मोन बनना शुरू होता है, जो 45 मिनट तक बढ़ता है इसके बाद अगले 15 मिनट यानी कुल 60 मिनट तक स्थिर रहता है। 60 मिनट के बाद इसका स्तर घटना शुरू हो जाता है।

- आपका शरीर जितना ग्रोथ हार्मोन पूरे दिन में बनाता है, उसका 75 फीसदी निर्माण शरीर अच्छी नींद के दौरान करता है।
- विटामिन और डाइट ह्यूमन ग्रोथ हार्मोन के लिए सबसे जरूरी है, लेकिन सप्लीमेंट्स का इस्तेमाल बिना विशेषज्ञ की सलाह के न करें।
- शरीर में ग्रोथ हार्मोन बनाए रखने के लिए रोजाना जरूरी कैलरी का 20 प्रतिशत भाग शुद्ध फैट से प्राप्त होता है।
- कुछ आहार, जो शरीर में बढ़ाएंगे ग्रोथ हार्मोन
- ह्यूमन ग्रोथ हार्मोन सुगठित शरीर पाने की कुंजी है, क्योंकि मांसपेशियों के लिए यह अहम है। इसके लिए प्रोटीन में भरपूर संतुलित भोजन खाएं।

मांस और मछली

मांस और मछली एमिनो एसिड के सबसे महत्वपूर्ण स्रोतों में से हैं, जो पूरी तरह से प्रोटीन से भरपूर होते हैं। इससे आपको एमिनो एसिड प्राप्त होता है, जो आपके शरीर में एचजीएच बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

धार्मिक सद्भाव, सौहार्द की प्रतीक तीर्थ दर्शन योजना

निलय श्रीवास्तव

धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के कारण मध्यप्रदेश देश भर में अपनी पृथक पहचान स्थापित कर चुका है। विभिन्न धर्म-सम्प्रदाय के लोगों को एक सूत्र में बांधकर रखने का अभिनव प्रयोग सिर्फ मध्यप्रदेश में ही हो रहा है। हिन्दू धर्म शास्त्रों में ऐसी मान्यता है कि चैथेपन में तीर्थ दर्शन करने से इहलोक तो सुधरता ही है परलोक भी सुलभ हो जाता है। सदियों से चली आ रही इस सनातनी परम्परा को मध्यप्रदेश सरकार ने साकार कर दिखाया है। परिणामस्वरूप मध्यप्रदेश में तीर्थ दर्शन योजना को लागू कर इसका लाभ मध्यप्रदेश के उन वृद्धजनों को दिया जा रहा है जो कमजोर आर्थिक स्थिति के चलते या अन्य किसी अभाव के कारण तीर्थ स्थल नहीं पहुँच पाते। यहाँ बता दें कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री स्वयं धर्मप्रेमी हैं, यह उनकी इच्छा शक्ति का ही परिणाम है कि सरकार ही अब वृद्धजनों की श्रवण कुमार बन गयी है और उन्हें शासकीय खर्च पर तीर्थ दर्शन करवा रही है। अब तो सरकार ने वृद्धजनों को फ्लाइट से तीर्थ यात्रा कराने की व्यवस्था को अंतिम रूप दे दिया है। जल्द ही हमारे बीच के लोग फ्लाइट से अपनी इच्छानुसार तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सकेंगे। धर्म में आस्था, विश्वास और सामाजिक सद्भाव को आगे बढ़ाने वाले देश के हृदय स्थल मध्यप्रदेश में ऐसे लोग बहुतायत हैं जो तीर्थों का दर्शन करना चाहते हैं। कई बार आर्थिक समस्याएं तो कई बार अकेलेपन के कारण तीर्थ स्थल जाने की उनकी इच्छा पूरी नहीं हो पाती। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान ने आम आदमी की इस पीड़ा को समझा और एक ऐसा रास्ता खोजा जो वरिष्ठजनों की अंतिम इच्छा को पूरा करने का आधार बने। ऐसी कल्याणकारी तथा गरिमामयी योजना को आम प्रदेशवासी तक पहुँचाने का श्रेय मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान को जाता है। इस योजना के माध्यम से मध्यप्रदेश के विभिन्न धर्म सम्प्रदाय के लोग देश के तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर चुके हैं। इस तरह यह योजना धार्मिक सद्भाव की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। जब एक साथ विभिन्न धर्म-सम्प्रदाय के लोग अपने-अपने इष्ट के दर्शन करने तीर्थ स्थलों के लिए भ्रमण करने जाते हैं तो यह अद्भुत दृश्य सामाजिक सद्भाव तथा भाई-चारे का प्रतीक बन जाता है। इस तरह यह योजना देश के अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय बन गयी है। कई राज्य इसका अनुसरण कर रहे हैं। यहां बता दें कि मध्यप्रदेश की पहचान धार्मिक सद्भाव, विभिन्न जाति के लोगों की एकता तथा भाई-चारे के लिए देशभर में स्थापित हो चुकी है। देश का हृदयस्थल होने के साथ अब यह राज्य देश के दूसरे राज्यों के लिए आदर्श भी बन गया है। मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार केवल भौतिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं रही है बल्कि उसने मानवीय मूल्यों, आस्थाओं, विश्वास और अपेक्षाओं के संवेदनशील पहलुओं को भी उजागर किया है। इसका जीवंत साक्ष्य है-तीर्थ दर्शन योजना। शायद ही ऐसा कोई बुजुर्ग हो जिसके अंतर्मन की परतों में अपने धर्म से जुड़े तीर्थ स्थलों की यात्रा करने की उत्कट चाह न होती हो। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान से अलग-अलग धर्म सम्प्रदाय के बुजुर्ग मिलते और तीर्थ स्थलों की यात्रा करने की अपनी आंतरिक इच्छा व्यक्त करते तब प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री का मन एक ऐसी सरकारी योजना बनाने की तरफ मुखर होता जो बुजुर्गों की इस भावना के अनुरूप हो और इसी चिंतन मनन से मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का प्रारूप तैयार हुआ इसके बाद वर्ष 2012 में इस योजना को आरंभ किया गया।

फर्जी सेकुलरिस्टों की संघ विरोधी सोच

अनिल बिहारी श्रीवास्तव

मायावतीजी का रियेक्शन मिलने में थोड़ा विलंब हुआ। पचास-साठ घंटे का विलंब हो गया लेकिन बसपा सुप्रीमो की प्रतिक्रिया आई तो सही। लोग हैरान थे, आखिर बहिनजी चुप क्यों हैं, वह भी इतने अहम मुद्दे पर? शायद वह भीड़ का हिस्सा नहीं बनना चाहती रही हों। अत= रुक कर बोलीं। एक अंग्रेजी दैनिक में मायावती की प्रतिक्रिया छपी है। बसपा सुप्रीमो ने पॉपुलर फ्रंट आफ इंडिया (पीएफआई) पर प्रतिबंध लगाये जाने पर केंद्र की खिंचाई की है। उन्होंने कोई नई बात नहीं की। वही कहा, जो तथाकथित सेकुलरिस्ट राजनेताओं और विपक्षी राजनीति दल पहले बोल चुके हैं। मायावती ने कहा है कि 'केंद्र सरकार ने पीएफआई को चिन्हित कर निशाना बनाया है। लोग चिंतित हैं, ऐसा प्रतीत हो रहा है जैसे सरकार ने यह कदम स्व-हित और संघ के तुष्टिकरण के लिए उठाया है।' ट्वीटर पर मायावती ने पूछा है, 'यदि पीएफआई देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा है तो सरकार इसी के जैसे अन्य संगठनों पर प्रतिबंध लगाने पर विचार क्यों नहीं कर रही है? विपक्ष के एक वर्ग ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है।' उल्लेखनीय है कि राजद नेता लालू यादव, कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह, के.सुरेश और रमेश चेन्निथ्रला, मार्क्सवादी महासचिव सीताराम येचुरी और इंडियन मुस्लिम लीग ने भी पीएफआई के साथ-साथ आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। पीएफआई की केरल राज्य इकाई के महासचिव अब्दुल सत्तार ने कहा है कि 'संगठन ने प्रतिबंध आदेश को स्वीकार किया है। उन्होंने संगठन को भंग किए जाने की घोषणा कर दी है।'

पीएफआई से आरएसएस की तुलना आश्चर्यजनक होने के साथ घोर आपति का विषय भी है। दोनों में किसी प्रकार की समानता नहीं है। इस विषय की शुरूआत राजद प्रमुख लालू यादव के बयान से करना सही होगा। पीएफआई पर प्रतिबंध पर लालू यादव की बौखलाहट उनके शब्दों से झलकती है। भ्रष्टाचार के चार मामलों में सजायाफ्ता लालू का बयान क्या कानून पसंद समाज में गंभीरता से लिए जाने योग्य है? लालू का कहना है कि 'वो(भाजपा) पीएफआई का हौआ खड़ा करते रहे हैं। देश में हिंदू उग्रवाद पनपने के लिए आरएसएस जिम्मेदार है इसलिए सबसे पहले उसी पर प्रतिबंध लगना चाहिए।' पीएफआई के विरूद्ध प्रत्यक्ष कार्रवाई शुरू होते ही सबसे पहली प्रतिक्रिया संभवतः दिग्विजय सिंह की आई थी। उन्होंने ग्वालियर में कहा, 'देश में नफरत और उन्माद फैलाने वाले पीएफआई और आरएसएस एक समान हैं। इनके खिलाफ समान रूप से कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। लोगों को चिन्हित कर प्रकरण दर्ज किए जा रहे हैं।' सिंह भाजपा और आरएसएस के खिलाफ टिप्पणी करने पर मानहानि के एक मुकदमे में विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट के कोर्ट में पेश होने आए थे। उन्हें पचास हजार रुपये के निजी मुचलके पर जमानत मिल गई। आरएसएस के प्रति दिग्विजय की खुन्नस और अनेक विषयों पर विवादित बयानों का एक लंबा रिकॉर्ड है। जुलाई 2013 में उन्होंने कहा था कि संघ अपने कार्यकर्ताओं को बम बनाने का प्रशिक्षण देता है। 2013 में ही उन्होंने बाटला हाउस एन्कॉउंटर को फर्जी करार दिया था। 2011 में कहा था कि 26/11 हमले से घण्टों पूर्व मुंबई के शीर्ष पुलिस अधिकारी हेमंत करकरे ने उनसे फोन पर कहा था कि उनका जीवन खतरे में है। इसके बाद उनकी मृत्यु का समाचार मुझे मिला था। अल कायदा नेता ओसामा बिन लादेन का उल्लेख करते हुए दिग्विजय ने उनके नाम के आगे जी शब्द लगा कर काफी आलोचना झेली थी। मुस्लिम उपदेशक जाकिर नाइक के साथ उनकी तस्वीरों पर आज भी लोग कटाक्ष करते हैं। ऐसे विवादित बयानवीर की संघ के प्रति खुन्नस को क्या गंभीरता से लिए जाने की जरूरत है? पीएफआई के साथ संघ पर भी प्रतिबंध लगाने की मांग करने वाले राजनीतिक दलों और राजनेताओं में कुछ बातें समान हैं। इनमें से अधिकांश की राजनीति मुस्लिम तुष्टिकरण पर काफी हद

तक टिकी है। इनमें यह धारणा प्रबल नोटिस की गई है कि आरएसएस का विरोध करके भाजपा के विरूद्ध समुदाय विशेष के वोटों का ध्रुवीकरण कर सकते हैं। इन विपक्षी दलों की भी दो श्रेणियां समझ में आती हैं। एक वर्ग वह है जो पीएफआई जैसे संगठन को समूचे मुस्लिम समुदाय से जोड़ कर देखता है। दूसरा पक्ष मुस्लिम समुदाय के हितों की रक्षा की बात करता है लेकिन वह पीएफआई को समूचे मुस्लिम समुदाय से जोड़ना पसंद नहीं करता। इस दूसरे वर्ग में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और माकपा को रख सकते हैं जिन्होंने पीएफआई का खुल कर विरोध किया है। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के नेता एम.के.मुनीर कहते हैं कि 'पीएफआई जैसे कट्टरपंथी संगठन ने कुरान की गलत व्याख्या की और मुस्लिम युवकों को हिंसा के रास्ते पर बढ़ने के लिए गुमराह किया।' गौर करने लायक बात यह भी है कि आरएसएस पर प्रतिबंध की मांग करने वाले किसी राजनेता या राजनीतिक दल ने अपनी बात के समर्थन में ऐसा एकाध प्रमाण भी सामने नहीं रखा जिससे उनके दावे को बल मिल सके। सब गोलमाल बातें या यह कहें कि मौखिक जुगाली मात्र रहीं। पीएफआई से आरएसएस का समानता का कोई आधार नहीं है। चलिए, एकपल के लिए विपक्षी कुतर्क पर विश्वास कर लें कि आरएसएस हिंदू कट्टरवाद को बढ़ावा देता है लेकिन इसका यह मतलब नहीं निकाला जा सकता कि इससे अन्य धर्म-समुदायों के प्रति नफरत को बढ़ावा दिया जा रहा है। अगर आरएसएस हिंदू संस्कार, रीति-रिवाज, जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए लोगों को प्रेरित करता है तब इसमें गलत क्या है? कहीं लालू यादव बोलते दिखे थे कि आपातकाल के समय आरएसएस पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। इस पर एक वरिष्ठ पत्रकार ने सटीक कटाक्ष याद आ गया-'आपातकाल के समय काफी कुछ हुआ था। माना कि संघ पर प्रतिबंध लगाया गया था लेकिन क्या लालू खुद भी गिरफ्तारी से बचने उस समय लुकते-छिपते नहीं फिर रहे थे?' आरएसएस को आतंकी संगठन मानने वाला वर्ग या तो बौद्धिक अंधत्व से पीड़ित है या फिर तुष्टिकरण की राजनीति के बावजूद आशानुकूल परिणाम नहीं आने से उसका मानसिक संतुलन खराब होने लगा है। समाज और राष्ट्र सेवा का लंबा इतिहास रखने वाले इस संगठन के बारे में जानने के लिए थोड़ा अध्ययन जरूरी है। संघ की विचारधारा इतनी प्रबल, सरल, स्पष्ट और गहरी है कि उसकी तुलना में अधिकांश संघ विरोधी राजनेता कोरा-कागज से अधिक नहीं दिखते। आरएसएस का 97 साल पुराना इतिहास समाज और राष्ट्रसेवा के उदाहरणों से भरा पड़ा है। विभाजन के समय भारत आए शरणार्थियों की सेवा और उनके लिए तीन हजार से अधिक शिविर आरएसएस ने लगाये थे। 1962 के चीन युद्ध के समय सेना को रसद पहुंचाने में मदद और रास्तों की निगरानी इसी संगठन ने की थी। 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के समय श्रीनगर हवाई अड्डे से बर्फ हटाने के लिए संघ के स्वयंसेवक ही उतरे थे। केदारनाथ में प्राकृतिक त्रासदी, गुजरात भूकंप, सुनामी का तांण्डव के समय आरएसएस ही राहत और बचाव में जुटा था। एक राजनीतिक विश्लेषक बता रहे थे कि 'कोविड महामारी के समय जब तमाम बड़बोले और राजनीति के तुर्रम खां दुबके बैठे थे इसी आरएसएस के लाखों कार्यकर्ता अपनी जान की परवाह किए बगैर लोगों की मदद में जुटे थे। राहत केम्प, मेडिकल सहायता और बस-रेल सहायता केंद्र चलाये जा रहे थे।

क्या है जीवन का सार

दुख एक मानसिक कल्पना है। कोई पदार्थ, व्यक्ति या क्रिया दुख नहीं है। संसार के सब नाम-रूप गधा-हाथी, स्त्री-पुरुष, पशु-पक्षी, वृक्ष-लता आदि खिलौने हैं। हम अपने को खिलौना मानेंगे तो गधा या हाथी होने का सुख-दुख होगा, अपने को स्वर्ण, मूल्यधातु देखेंगे तो यह मनुष्य देह नहीं रहेंगे। हम विराट् हैं, साक्षात् ब्रह्म है। जो मनुष्य इस जगत प्रपंच को सत्य देखता है, उसे माया ने ठग लिया है। जो पहले भी नहीं थे, आगे भी नहीं रहेंगे, बीच में थोड़ी देर को दिखाई दे रहे हैं, उन्हीं को सब कुछ समझ कर माया मोहित मनुष्य व्यवहार कर रहा है। तत्वज्ञान शिक्षा देता है कि जो कुछ दिखाई दे, उसे दिखाई देने दो, जो बदलता है, उसे बदलने दो, जो आता-जाता है, उसे आने जाने दो। यह सब जादू का खेल है।

ये हि संस्पर्शजा भोगा दुःखयोनय एव ते। आद्यन्तवन्तः कौन्तेय न तेषु रमते बुधः।

पुराणों में एक कथा आती है- महाराज जनक के जीवन में कोई भूल हो गई थी। मरने पर उन्हें यमलोक जाना पड़ा। वहां उससे कहा गया- नरक चलो। महाराज जनक तो ब्रह्मज्ञानी थे। उन्हें क्या स्वर्ग, क्या नरक। वे प्रसन्नतापूर्वक चले गए। नरक में पहुंचे तो चारों ओर से पुकार आने लगी- महाराज जनक जी! तनिक यहीं ठहर जाइए।%

महाराज जनक ने पूछा- यह कैसा शब्द है?

यमदूतों ने कहा%नरक के प्राणी चिल्ला रहे हैं।

जनक ने पूछा-क्या कह रहे हैं ये? यमदूत बाले-ये आपको रोकना चाहते हैं।

पूरी दुनिया देखेगी भारतीय वायुसेना की ताकत

योगेश कुमार गोयल

8 अक्टूबर को भारतीय वायुसेना अपना 90वां स्थापना दिवस मना रही है। प्रतिवर्ष इस विशेष अवसर पर हिंडन एयरबेस में एक भव्य एयर-शो का प्रदर्शन किया जाता है लेकिन इस बार वायुसेना दिवस समारोह दिल्ली एनसीआर के बाहर चंडीगढ़ में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें होने वाले एयर शो में कुल 83 एयरक्राफ्ट शामिल हो रहे हैं। एयर शो के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और तीनों सेना प्रमुखों के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। इस बार वायुसेना के 90वें स्थापना दिवस पर चंडीगढ़ में सुखना झील परिसर में वायुसेना दिवस 'फ्लाई-पास्ट' के लिए तैनात किए जाने वाले विमानों और हेलीकॉप्टरों में नए लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर भी शामिल हैं और वायुसेना के बेड़े में हाल ही में शामिल हुआ भारत का पहला स्वदेशी हल्का लड़ाकू हेलीकॉप्टर 'प्रचंड' भी एयर शो के दौरान अपनी हवाई शक्ति का प्रदर्शन करेगा। आसमान में देश की सुरक्षा की जिम्मेदारी पूरी तरह भारतीय वायुसेना के ही हाथों में होती है, इसलिए दुश्मन देशों की चुनौतियों का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए वायुसेना को लगातार मजबूती प्रदान करना बेहद जरूरी है।

भारत के लिए गर्व की बात है कि भारतीय वायुसेना को अब दुनिया की चौथी बड़ी सैन्यशक्ति वाली वायुसेना माना जाता है। वायुसेना का ध्येय वाक्य है 'नभः स्पृशं दीप्तम्' अर्थात् आकाश को स्पर्श करने वाले देदीप्यमान। भारतीय वायुसेना देश की करीब 24 हजार किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी पूरी मुस्तैदी के साथ निभाती है। राफेल सहित कुछ और शक्तिशाली लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों तथा अत्याधुनिक मिसाइलों के वायुसेना की विभिन्न स्क्वाड्नों में शामिल होने से हमारी वायुसेना कई गुना शक्तिशाली हो चुकी है। वायुसेना की युद्धक क्षमताएं बढ़ने से हम हवा में पहले से बहुत ज्यादा मजबूत हुए हैं तथा दुश्मन की किसी भी तरह की हरकत का पहले से अधिक तेजी और ताकत के साथ जवाब देने में सक्षम हुए हैं। पड़ोसी देशों की फितरत को देखते हुए अत्याधुनिक तकनीकों से सुसज्जित एयरक्राफ्ट तथा लड़ाकू विमान वायुसेना में

शामिल किए जाने की प्रक्रिया लगातार जारी है। हमारी वायुसेना आज इतनी ताकतवर हो चुकी है कि इसमें फाइटर एयरक्राफ्ट, मल्टीरोल एयरक्राफ्ट, हमलावर एयरक्राफ्ट तथा हेलीकॉप्टरों सहित 2200 से अधिक एयरक्राफ्ट तथा करीब 900 कॉम्बैट एयरक्राफ्ट शामिल हो चुके हैं। भारतीय वायुसेना की स्थापना ब्रिटिश शासनकाल में 8 अक्तूबर 1932 को हुई थी और तब इसका नाम था 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स'। 1945 के द्वितीय विश्वयुद्ध में रॉयल इंडियन एयरफोर्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उस समय वायुसेना पर आर्मी का ही नियंत्रण होता था। इसे एक स्वतंत्र इकाई का दर्जा दिलाया था इंडियन एयरफोर्स के पहले कमांडर-इन-चीफ सर थॉमस डब्ल्यू एल्महर्स्ट ने, जो हमारी वायुसेना के पहले चीफ एयर मार्शल बने थे। 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' की स्थापना के समय इसमें केवल चार एयरक्राफ्ट थे और इन्हें संभालने के लिए कुल 6 अधिकारी और 19 जवान थे। आज वायुसेना में डेढ़ लाख से भी अधिक जवान और हजारों एयरक्राफ्ट्स हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् वायुसेना को अलग पहचान मिली और 1950 में 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' का नाम बदलकर 'इंडियन एयरफोर्स' कर दिया गया। एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी इंडियन एयरफोर्स के पहले भारतीय प्रमुख थे। उनसे पहले तीन ब्रिटिश ही वायुसेना प्रमुख रहे। इंडियन एयरफोर्स का पहला विमान ब्रिटिश कम्पनी 'वेस्टलैंड' द्वारा निर्मित 'वापिती-2ए' था। भारतीय वायुसेना चीन के साथ एक तथा पाकिस्तान के साथ चार युद्धों में अपना पराक्रम दिखा चुकी है। द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात् 1947 में भारत-पाक युद्ध, कांगो संकट, ऑपरेशन विजय, 1962 में भारत-चीन तथा 1965 और 1971 में भारत-पाक युद्ध, ऑपरेशन मेघदूत, ऑपरेशन पूमलाई, ऑपरेशन पवन, ऑपरेशन कैक्टस, 1999 में कारगिल युद्ध इत्यादि में अपनी वीरता का असीम परिचय देते हुए वायुसेना ने हर तरह की विकट परिस्थितियों में भारत की आन-बान की रक्षा की। इस समय राफेल, सी-17 ग्लोबमास्टर, सी-130जे सुपर हरक्युलिस, मिराज, जगुआर, सुखोई, मिग-21 बायसन, मिग-29, चिनूक, अपाचे तथा कई अन्य अत्याधुनिक लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर और मिसाइलें भारतीय वायुसेना की बेमिसाल ताकत बने हैं।

बहुत याद आएगा 'कोशी का घटवार'

सूडोकु नवताल- 6213

★★★★★ कठिनतम

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल 6212 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

शेखर जोशी जी को विनम्र श्रद्धांजलि

प्रभुनाथ शुक्ल

कहानी को ओढ़ने, दशाने और बिछाने वाला हमारे बीच नहीं रहा। कहानी की दुनिया खाली-खाली सी हो गई है। नयी कहानी का एक अध्याय खत्म हो गया। हमें, आपको कहानी से रूबरू कराने वाली खुद कहानी बन गए। नई कहानी में और नयापन देने वाले, सजाने और संवारने वाले शेखर जोशी हमारे बीच से अलविदा हो गए हैं। कहानी को उन्होंने बहुत कुछ दिया। एक कुशल कुंभकार की तरह उसे गढ़ा और तराशा। एक खास पहचना दिलाई। नई कहानी के कथाशिल्प को उन्होंने और मजबूत किया एवं उसे उर्वर बनाया। उनकी कहानियों का कई विदेशी भाषाओं में भी अनुवाद हुआ। जोशी की कहानियों में पहाड़ के जीवन का यथार्थ भी दिखता है। स्वाधीनता आंदोलन और द्वितीय विश्व युद्ध की छाप भी कहानियों में दिखती है। उनकी पहली कहानी %राजे खत्म हो गए% में पहाड़ के जीवन मूल्य दिखते हैं। उन्होंने कुछ समय पूर्व देव प्रकाश चौधरी से एक साक्षात्कार में बताया था कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान पहाड़ों से भारी संख्या में फौज के जवान लड़ने जा रहे थे। उन्हें विदा करते समय परिजनों जो हालात हमने देखी उससे विचलित हो गया। काफी लोग उसमें से लौटकर नहीं आए। फौजियों और उनके परिवार की पीड़ा को कथानक का आधार बना उन्होंने %राजे खत्म हो गए% जैसी कहानी लिखी। उनकी कहानियां जमीन से जुड़ी और यथार्थ के बेहद करीब होती हैं।

उन्होंने चेखव, तुर्गनेव, मैक्सिम गोर्की, आस्त्रोवस्की, चंगीज आइत्मातोव के उपन्यास, माइकोवस्की, नाजिम हिकमत और निकोला वाप्सरोव के हिंदी अनुवाद को खूब पढ़ा। जोशी के बारे में कहा जा सकता है वह जितने बड़े साहित्यकार थे उससे कहीं अधिक बड़े पाठक थे। उत्तराखंड का सांस्कृतिक जीवन उनके भीतर रचा और बसा था।

शेखर जोशी की रचनाओं में वामपंथी विचारधारा का भी प्रभाव दिखता है। उन्हें पहाड़ों से होता विस्थापन बहुत अधिक खला और वह इसके खिलाफ थे। उत्तराखंड में विस्थापन की वजह से काफी गांव उजड़ गए। पहाड़ों के गांव और वहां की हरी-भरी वादियां। रंग-बिरंगा सांस्कृतिक जीवन उन्हें खूब भाता था। लेकिन सुविधाओं के अभाव में लोगों का पलायन भी उन्हें उतना ही खलता था। बदलती सामाजिक व्यवस्था और संस्कृति कहीं न कहीं से उन्हें चुभती थी। परिवारों का आणविक विखंडन उन्हें परेशान करता था। अपने साक्षात्कार में कहा था कि समाजवाद का विखराव भी उन्हें नहीं भाया। शहरी सभ्यताएं जो कंकरीट के जंगल में बदल रहीं हैं ऐसी इमारतों को वे गुफाएं और कैद खाना कहते थे। उन्हें इस बात का अफसोस था कि इंसानी सभ्यता एवं संस्कृति का विखराव हो रहा है। समाज में लोग आत्म केंद्रित हो चले हैं।

विज्ञान और तकनीकी विकास में साहित्य कहीं खोता नजर आता है। युवा पीढ़ी कहीं न कहीं साहित्य से दूर होती चली जा रही है। जोशी जी को अफसोस था कि जो साहित्य लोगों के बीच में होना चाहिए वह सरकारी अलमारियों में बंद है। उसकी पहुंच आम लोगों में नहीं हो पा रहीं। उनके विचार में साहित्य को बढ़ाने के लिए सरकारों की भूमिका बहुत अच्छी नहीं रहीं। हालांकि वह मानते थे पाठकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। लेकिन किताबें उस तरह से उपलब्ध नहीं हो पा रहीं हैं। स्वतंत्र लेखन को वह चुनौती भरा काम मानते थे। अगर लोग अच्छा लिखते भी हैं तो उसे छपाए कैसे। प्रकाशकों और लेखकों के बीच व्यवहार को वह सामन्य और मधुर नहीं मानते थे। साहित्य में वह जैसा बदलाव चाहते थे उस मुताबित उन्हें नहीं दिखा। शेखर जोशी को उनके उत्कृष्ट साहित्य लेखन के लिए कई पुरस्कार और सम्मान भी दिए गए। जिसमें उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान की तरफ से महावीर प्रसाद द्विवेदी पुरस्कार साहित्य भूषण पहल सम्मान श्रीलाल शुक्ल और मैथिलीशरण गुप्त जैसे ख्याति लब्ध सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्होंने कई चर्चित कहानियां लिखी जिसमें नवरंगी बीमार है।

कश्मीरः अमित शाह की दो-टूक बातें

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

गृहमंत्री अमित शाह ने बारामूला में 10 हजार से ज्यादा लोगों की सभा को संबोधित किया, यही अपने आप में बड़ी बात है। उनका यह भाषण एतिहासिक और अत्यंत प्रभावशाली था। हमारे नेता लोग तो डर के मारे कश्मीर जाना ही पसंद नहीं करते लेकिन इस साल कश्मीर में यात्रियों की संख्या 22 लाख रही जबकि पिछले कुछ वर्षों में 5-6 लाख से ज्यादा लोग वहां नहीं जाते थे। बारामूला की जनसभा और यात्रियों की बढ़ी हुई संख्या ही इस बात के प्रमाण हैं कि कश्मीर के हालात अब बेहतर हुए हैं, खास तौर से 2019 में धारा 370 के हटने के बाद से! लगभग सभी कश्मीरी नेताओं ने धारा 370 हटाने का बहुत जमकर विरोध किया था लेकिन आजकल उनकी हवा निकली पड़ी है, क्योंकि कश्मीर के हालात में पहले से बहुत सुधार है। मनोज सिंहा के उप-राज्यपाल रहते हुए कश्मीर में अब भ्रष्टाचार करने की किसी की हिम्मत ही नहीं पड़ती। कश्मीर में बगावत का झंडा उठानेवाले और राज करनेवाले स्थानीय नेतागण केंद्र से मिलनेवाली अरबों-खरबों की धनराशि का जितना इस्तेमाल लोक-कल्याण के लिए करते थे, उससे कई गुना ज्यादा अब होने लगा है। अमित शाह ने कहा है कि पिछले 70 साल में कश्मीर में केंद्र की ओर से सिर्फ 15000 करोड़ रू. लगाए गए थे जबकि अब पिछले तीन साल में 56000 करोड़ रुपयों का विनिवेश हुआ है। कई अस्पताल, विश्वविद्यालय, स्कूल, पंचायत भवन आदि खड़े कर दिए गए हैं। पहले कश्मीर का लोकतंत्र सिर्फ 87 विधायकों, 6 सांसदों और दो-तीन परिवारों तक ही सीमित था लेकिन अब 30,000 पंचों और सरपंचों को भी स्थानीय विकास के अधिकार मिल चुके हैं। आतंकवादियों ने कुछ पंचों की हत्या भी कर दी थी लेकिन पंचायत के चुनावों में जन-उत्साह देखने लायक था। अमित शाह ने अपने भाषण में कश्मीर के पिछड़ेपन के लिए तीन परिवारों को जिम्मेदार ठहराया है। गांधी-नेहरु परिवार, अब्दुल्ला और मुफ्ती परिवार! इन तीनों परिवारों ने कश्मीर पर अपना लगभग एकाधिकार बना रखा था, यह तथ्य है लेकिन हम यह न भूलें कि इनमें से किसी ने भी कश्मीर को भारत से अलग करने का नारा नहीं दिया है। वरना, कांग्रेस और भाजपा इनके साथ मिलकर वहां सरकारें क्यों बनातीं? कश्मीर के अलगाववादी नेताओं से भी मेरा गहन संपर्क रहा है, उनमें से एकाध अपवाद को छोड़कर कभी किसी ने कश्मीर को पाकिस्तान में मिलाने की बात नहीं की है। अमित शाह ने सरकार की इस नीति को दो-टूक शब्दों में दोहराया है कि जब तक आतंकवाद जारी है, पाकिस्तान से भारत बात नहीं करेगा।

भूतपूर्व विद्याथी जब एक दूसरे के गले मिले तो छलक आए खुशी के आंसू...

अंबाह महाविद्यालय में भूतपूर्व विद्यार्थी मिलन समारोह सम्पन्न

अम्बाह। अंबाह महाविद्यालय के मुख्य द्वार में प्रवेश करते ही रोम -रोम पुलकित हो गया, मन के मानसरोवर में आनंद की हिलोरें उठने लगीं। गुरुकुल की माटी को माथे पर चंदन की तरह लगाकर एक आलौकिक अनुभूति, उद्यान के हंसते मुस्कुराते पुष्प मानो हमारे स्वागत को आतुर हैं, संस्था की दीवारों पर मानो पुरानी यादें चित्रित हो रही हैं। उक्त भावों की सरिता भूतपूर्व विद्यार्थियों के ह्रदय से उमड़ रही थी, मौका था पीजी कॉलेज अंबाह में भूतपूर्व छात्र-छात्रा मिलन समारोह का। इस दौरान पूर्व छात्र अपनी यादों का स्मरण करके जहाँ उनके मुख पर चमक थी तो वहीं एक दूसरे साथियों के गले लगकर खुशी आंसू छलकते हुए देखे गए। माहौल जितना सुखद था उतना ही भावुकता पूर्ण। महाविद्यालय का अनुशासन विद्यार्थियों के संस्कार देखकर हम हमें गर्व है कि अम्बाह कॉलेज हमारी शिक्षा स्थली रही है। इस तरह के विचार शुक्रवार को स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बाह के सभागार में द्वितीय भूतपूर्व विद्यार्थी मिलन समारोह के भव्य आयोजन में आगंतुक पूर्व छात्र-छात्राओं ने व्यक्त किये। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सन 1974 के वैच के पूर्व छात्र बी डी शर्मा मंच पर थे। अध्यक्षता संस्था के शासी निकाय के अध्यक्ष डॉ. ओपी शुक्ला ने की तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में शिक्षा समिति के सचिव डॉ. नारायण हरि शर्मा व एडवोकेट प्रवीण शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन से हुआ। संस्था के प्राचार्य डॉ. शिवराज सिंह तोमर ने सभी मंचासीन अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया और स्वागत भाषण में सभी का अभिनंदन किया। भूतपूर्व विद्यार्थी परिषद के अध्यक्ष प्रो. मुकेश श्रीवास द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शशिवल्लभ शर्मा व डॉ. रामकिशोर उपाध्याय ने किया। कार्यक्रम के बीच में महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा मनोहारी सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। इस दौरान समोराह में आए हुए सभी पूर्व विद्यार्थियों को मंच पर क्रमानुसार आमन्त्रित किया, जिन्होंने अपना-अपना परिचय दिया और बताया कि वर्तमान में कहाँ क्या कर रहे हैं। तदुपरांत मंच द्वारा उन्हें स्मृति चिह्न, स्मारिका, उपहार प्रदान किये गए। कार्यक्रम के अंत में डॉ. राजकुमार सिंह तोमर ने सभी का आभार व्यक्त किया।

दुर्गावाहिनी, मातृशक्ति का शौर्य संचलन 9 को निकलेगा

बीआर गार्डन पर शस्त्र पूजन के साथ होगी शौर्य संचलन की शुरुआत

मुरैना। विश्व हिंदू परिषद की दुर्गावाहिनी-मातृशक्ति द्वारा 9 अक्टूबर को शौर्य संचलन का आयोजन किया जा रहा है। स्त्री शक्ति जनजागरण के उद्देश्य के साथ निकाले जाने वाले शौर्य संचलन में एक सैकड़ा से अधिक बालिका, युवतियां व महिलाएं शामिल होंगी। गत दिवस आयोजित बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया। नवरात्र एवं विजयादशमी के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा शौर्य संचलन दोपहर एक बजे नैनागढ़ रोड स्थित बीआर गार्डन पर शस्त्र पूजन के साथ शुरू होगा। यहां से बालिकाएं, युवतियां तथा महिलाएं कतारबद्ध होकर शौर्य संचलन में रवाना होंगी। शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरता हुआ यह शौर्य संचलन जैन मंदिर के पास महामाया मंदिर पर पहुंचकर संपन्न होगा। विहिप की विभाग मातृशक्ति संयोजिका भावना जैन एवं जिला संयोजिका सपना बंसल ने बताया कि शौर्य संचलन में बालिकाएं व युवतियां सफेद सलवार-कुर्ता पर केसरिया दुपट्टा पहनकर शामिल होंगी, जबकि महिलाओं को केसरिया या पीली साड़ी पहन कर आना होगा। शौर्य संचलन में शामिल होने वाली युवतियों व महिलाओं के लिए साफा की व्यवस्था भी की गई है। जिन बालिकाओं, युवतियों व महिलाओं ने पहले से पंजीयन करा रखे होंगे, उनके लिए आवश्यकतानुसार वाहन भी उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि शौर्य संचलन का उद्देश्य मातृशक्ति को मानसिक व शारीरक रूप से सशक्त बनाना है। इसके माध्यम से उन्हें आत्मसम्मान और आत्मरक्षा की प्रेरणा भी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि शौर्य संचलन की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गयी हैं।

डाबर का पुरा में हुए गोलीकांड मैं पीड़ित पक्ष ने एसपी को दिया ज्ञापन, कार्यवाही की मांग

मुरैना। देवगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम डावर का पुरा मैं विगत दिनों 1 दर्जन से अधिक आरोपियों द्वारा गोलियां बरसा दी गई, जिसमें 2 लोग घायल हो गए तथा एक की हालत अभी भी ग्वालियर में गंभीर बनी हुई है। इस मामले में देवगढ़ पुलिस द्वारा आरोपियों पर कार्यवाही ना किए जाने पर घायल रामसेवक सिंह सिकरवार व फेरन सिंह जाटव ने ग्रामीणों के साथ शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर मामला बताया और कार्यवाही की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि 3 दिन पूर्व ग्राम डाबर का पुरा में आरोपीगणों सुभाष सिकरवार, सौरव, सत्येंद्र सिंह, नितेश, किशनपाल, गजेंद्र सिंह, विश्वनाथ, शीलू, ओमवीर, राधेश्याम, सुरेश एवं चार पांच अन्य लोगों द्वारा डाबर का पूरा एवं नंदपुरा से आकर गोलियां चलाई गई, जिसमें फरियादी रामसेवक एवं गांव का बछू जाटव गोली लगने से घायल हो गए। दोनों घायलों को उपचार के लिए ग्वालियर भेजा गया, यहां बछू यादव की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। पीड़ित पक्ष ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देकर बताया कि राजनीतिक प्रभाव के कारण देवगढ़ थाना पुलिस आरोपियों पर कार्रवाई नहीं कर रही है और आरोपियों को बचाने के लिए झूठे साक्ष्य एकत्रित कर रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि आरोपी गढ़ पुलिस के लिए मुखबिरी करते हैं, इसलिए पुलिस उन्हें बचाने में लगी है।

पंकज उपाध्याय के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में मैराथन दौड़ का आयोजन

जौरा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं जौरा विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी रहे पंकज उपाध्याय का जन्म दिवस 8 अक्टूबर को मनाया जा रहा है, जिसके उपलक्ष में जौरा युवा कांग्रेस जौरा विधानसभा के तीनों ब्लाक जौरा, कैलारस, पहाड़गढ़ एवं उपब्लॉक चंबल चित्रौनी में मैराथन दौड़ का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन जिला युवक कांग्रेस एवं जौरा विधानसभा के युवा कार्यकर्ता कर रहे है। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष आसाराम सिकरवार ने बताया कि क्षेत्र के कार्यकर्ताओं में पंकज उपाध्याय के प्रति बड़ा प्रेम और स्नेह है, क्योंकि पंकज उपाध्याय हमेशा युवाओं के हितों की रक्षा करने के लिए लड़ाई लड़ते रहते हैं व युवाओं को सेना पुलिस की तैयारी में बड़ा सहयोग करते रहते हैं। इसीलिए युवाओं ने उनके जन्मदिवस को युवा दिवस के रूप में मनाने का संकल्प लिया है। इसी क्रम में जौरा क्षेत्र की सभी ब्लाकों एवं उप ब्लॉक चंबल चित्रौनी में मैराथन दौड़ का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सभी जगह प्रथम पुरस्कार 5100 रुपए, द्वितीय पुरस्कार 3100, तृतीय पुरस्कार 2100 एवं शील्ड व प्रमाण पत्र एवं सभी प्रतिभागियों को टी-शर्ट दी जाएगी। जौरा एवं चित्रौनी में मैराथन का आयोजन शनिवार दिनांक 8 अक्टूबर को एवं कैलारस व पहाड़गढ़ में मैराथन का आयोजन रविवार 9 अक्टूबर को रखा गया है। कार्यक्रम में कांग्रेस के सभी विधायक, महापौर व जिले के सभी वरिष्ठ नेतागण एवं कार्यकर्ता शामिल रहेंगे।

कैंसर जांच शिविर में 25 मरीजों ने उठाया लाभ

लायंस क्लब परिवार द्वारा मनाया जा रहा सेवा सप्ताह

मुरैना। लायंस क्लब मुरैना बेस्ट एवं लॉयन्स परिवार मुरैना के द्वारा लॉयन्स सेवा सप्ताह परोपकार के अंतर्गत 07 अक्टूबर शुक्रवार को निःशुल्क कैंसर जांच एवं जागरूकता शिविर हरी निर्मल हॉस्पिटल पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी मुरैना पर आयोजित किया गया। शिविर में 25 मरीजों ने कैंसर से संबंधित जांच कराई एवं इंदौर के सुप्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ साकेत मित्तल के द्वारा उचित परामर्श दिया गया। साथ ही मुरैना के मशहूर डॉ आदित्य पंजाबी ने भी भरपूर सहयोग किया। निःशुल्क शिविर में मुरैना शहर के पांचो लायंस क्लबों ने भरपूर संख्या में सहयोग देकर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रांत रीजन चेयरपर्सन किरण गुप्ता, जोन चेयर पर्सन सपना बंसल, जोन चेयर पर्सन कौशल मंगल, सेवा सप्ताह संयोजक निधि गुप्ता, कार्यक्रम संयोजक राजेश गुप्ता, रीजन सचिव रश्मि बंसल, लायंस क्लब मुरैना वेस्ट अध्यक्ष अमित कुमार गुप्ता, खेमचंद मित्तल लायंस क्लब मुरैना समन्वय अध्यक्ष

रेखा राकेश सिंह, डॉ विजय झिंगन, इकबाल गोरी, विवेक मित्तल, दीपक भोला फील्ड रिस्पांस आफीसर, लायन्स क्लब मुरैना मयूरवन अध्यक्ष अविनाश अग्रवाल, लायंस क्लब मुरैना अध्यक्ष संजय गुप्ता, प्रमोद सिंघल, रेखा बांदिल, बबिता जैन, लॉयन संजय गोयल, श्याम सुंदर अग्रवाल, माधव गोयल राजेश गोयल, मनोज अग्रवाल, मनोज सिंघल, लॉयन निशा गर्ग आदि उपस्थित थे। लायंस क्लब के अध्यक्षों ने यह अवगत कराया कि सेवा सप्ताह परोपकार दिनांक 2 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 9 अक्टूबर तक सेवा कार्यों से निरंतर प्रयासरत रहेगा। सेवा सप्ताह के 7 दिवसीय कार्यदिवस में मधुमेह जांच शिविर 8 अक्टूबर, दिव्यांग सहायता एवं सेवा सप्ताह समापन समारोह 9 अक्टूबर पर किया जाना निश्चित किया गया है एवं सेवा भाव पूरे वर्ष भर निरंतर जारी रहेगा।

विशाल श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ महोत्सव 10 से

मुरैना। शहर के वरिष्ठ एडवोकेट हरस्वरूप माहेश्वरी एवं डॉ राकेश माहेश्वरी द्वारा श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ महोत्सव का आयोजन 10 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक होटल राधिका पैलेस मुरैना के प्रांगण में किया जा रहा है। जानकारी देते हुए परीक्षित श्री माहेश्वरी ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा का वाचन संगीतमय वाणी से युवा आचार्य प.पू.गो. 108 श्री गोवर्धनेश कडी-अहमदाबाद-सूरत द्वारा किया जाएगा। श्रीमद् भागवत कथा के प्रथम दिन 12 अक्टूबर को कुंती स्तुति, श्री भीष्म स्तुति, परीक्षक जन्म, 13 अक्टूबर को श्री विराट स्वरूप, श्री 12 अवतार, 14 अक्टूबर को नरसिंह अवतार, वामन अवतार, राम जन्म, श्री कृष्ण जन्म नंद महोत्सव, 15 अक्टूबर को श्री बाल लीला, वेणु गीत, गोवर्धन लीला, 16 अक्टूबर को इंद्रमान भंग, युगल गीत, भ्रमरगीत, रुक्मणी विवाह, 17 अक्टूबर को सुदामा चरित, परीक्षित मोक्ष पूर्णाहुति का वाचन होगा एवं 18 अक्टूबर को भंडारा आयोजित होगा।

परंपरागत रास्ते को बहाल रखने के लिए भूख हड़ताल 66 वें दिन भी जारी

कैलारस। नगरीय क्षेत्र में ब्रॉडगेज के निर्माण कार्य के दौरान शासकीय अस्पताल के लिए आने-जाने बाबत परंपरागत मार्ग को बहाल रखने के लिए जनता द्वारा लगातार मांग की जा रही है। अंडर ब्रिज नहीं बनने से हजारों की आबादी का आवागमन बाधित हो रहा है। जनता द्वारा आन्दोलनात्मक कार्रवाईयां भी जारी है। इस दौरान जनता द्वारा केंद्रीय मंत्री गणों, अफसरों को ज्ञापन दिए हैं। तिरंगा यात्राएं भी निकाली है। धरना, प्रदर्शन, सत्याग्रह आदि कार्यवाहियां आयोजित की हैं, परंतु कोई सुनवाई नहीं हो रही है। नागरिक गण 66 दिनों से क्रमिक भूख हड़ताल कर रहे हैं। 66 वें दिन भूख हड़ताल पर रतन लाल शाक्य, रामजीलाल कर्ण राजपूत, गंगाराम शाक्य, रामविलास जाटव बैठे ने माल्यार्पण कर नरेश जाटव द्वारा बैठाया गया। आगे आंदोलन को तेज करने की भी कार्यवाहियां की जा रहीं हैं।

प्रस्फुटन समितियां कर रही है सेतु का कार्य: महेश्वरी

मुरैना/जौरा। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जौरा के द्वारा प्रस्फुटन योजनांतर्गत नवीन गठित समितियों को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम जनपद पंचायत एन आर एल एम बिल्डिंग जौरा में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अखिल महेश्वरी (राजू) नगर पालिका अध्यक्ष जौरा उपस्थित रहे एवं कार्यक्रम शुभारंभ में मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अखिल महेश्वरी ने बताया कि प्रस्फुटन समितियां सेतु का कार्य कर रही है। उन्होंने समितियों को बताया कि सरकार की जितनी भी योजनाएं हैं, वह जनता तक पहुंचाएं, जिससे जनता को योजनाओं का लाभ प्राप्त हो सके। उनके द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया और उनकी प्रशंसा की गई। जन अभियान परिषद् जौरा के ब्लॉक समन्वयक बी डी शर्मा ने बताया कि प्रस्फुटन समितियों द्वारा क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा, वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, महिला सशक्तिकरण पर सेवा कार्य कर रही हैं। नवीन प्रस्फुटन समितियां भी पूरे विकासखंड में सेवा कार्य से जुड़ेंगी। मध्य प्रदेश शासन द्वारा 2 अक्टूबर 2022 से 30 नवंबर 2022 तक विशेष नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है इसमें

प्रस्फुटन नवांकुर समितियां बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रही हैं। संत कुमार पाराशर ने बताया कि समग्र विकास को अवधारणा को लेकर प्रशिक्षण में लोगो को बताया। इसी क्रम में व्यक्तित्व विकास पर रूद्रेश गौड़ द्वारा उद्बोधन दिया गया। वहीं केशव शर्मा द्वारा नेतृत्व विकास के बारे में लोगों को बताते हुए कहा कि नेतृत्व विकास वह प्रक्रिया हैद्व जो संगठनों के भीतर नेतृत्व की भूमिकाओं में प्रदर्शन करने के लिए व्यक्तियों की क्षमता का विस्तार करने में मदद करती है। आये हुए अतिथियों को चंबल धरोहर स्मृति चिन्ह भेंट कर उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कैलाश शर्मा एवं आभार परीक्षत शर्मा के द्वारा व्यक्त किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में एडवोकेट दिनेश सिकरवार, पवन शर्मा, अल्केश राठौर, प्रशांत शर्मा, सुभाष शर्मा, जीतेंद्र शर्मा, ज्ञानेंद्र सिकरवार, योगेंद्र सिंह सिकरवार एवं सभी प्रस्फुटन समितियों के सदस्य उपस्थित रहे।

मितावली की प्रसिद्धता को देखते हुये बर्ल्ड हेरीटेज का प्रस्ताव बनाया जाये - कमिश्नर श्री दीपक सिंह

चंबल कमिश्नर श्री दीपक सिंह ने की विकास एवं पर्यटन स्थलों की समीक्षा

गौरव शर्मा पुष्पांजली टुडे

चंबल संभाग के कमिश्नर श्री दीपक सिंह ने कलेक्टर श्री बी.कार्तिकेयन से मुरैना जिले के पर्यटन स्थलों की समीक्षा करते हुये कहा है कि मितावली की प्रसिद्धता को देखते हुये इसका बल्ड हेरीटेज का प्रस्ताव बनाया जाये। इसके लिये कन्सलटेन्ट को लगाये, यह हिस्टोरीकल, प्लेस है, जो काफी लोकप्रिय है। इसी के डिजाइन पर लोकसभा भवन बनाया गया था। बल्ड टूरिज्म में प्रस्ताव पहुंचने पर इस प्रसिद्ध एतिहासिक शिव मंदिर को बल्ड हेरीटैज का दर्जा दिलाने के हर संभव प्रयास किये जायेंगे। चंबल कमिश्नर सोमवार को चंबल संभाग के प्रभार संभालने के पश्चात् अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में मुरैना कलेक्टर श्री बी.कार्तिकेयन, पुलिस अधीक्षक श्री आशुतोष बागरी, जिला पंचायत के सीईओ श्री रोशन कुमार सिंह, संयुक्त कलेक्टर विकास श्री राजेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर श्री नरोत्तम भार्गव, नगर निगम कमिश्नर श्री संजीव कुमार जैन, एसडीएम श्री शिवलाल शाक्य, उपसंचालक पंचायत श्री अशोक निम सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

ग्वालियर-चंबल संभाग के कमिश्नर श्री दीपक सिंह ने प्रधानमंत्री जी के जन्म दिवस से चल रहे मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान की समीक्षा करते हुये कहा कि हर पात्र व्यक्ति को लाभ मिल जाये। एक भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित नहीं रहना चाहिये। उन्होंने पात्र लोगों को लाभ दिलाने के लिये डोर टू डोर सर्वे कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि राशन पर्ची स्कीम डीएसओ अपने स्तर से लोगिंग करके एप पर अपलोड करते रहें। कलेक्टर श्री बी.कार्तिकेयन ने बताया कि आयुष्मान कार्ड बनाने के लिये पी.एम.जे.ए.वाय एप बना हुआ है। यह एप फगश्नल नहीं है डाटा नोट करके बंद हो जाता है। जिन लोगों के आधार मोबाइल से लिंक है, उनके ओटीपी आने से आयुष्मान कार्ड एप पर बन रहे है। अगर एप पर डाटा आने लगे तो इस एप पर बहुत अच्छा काम हो सकता है। कलेक्टर ने बताया कि जिले में अभी तक 5 लाख 90 हजार आयुष्मान कार्ड बन चुके है। लगभग 4 लाख कार्ड बनने के लिये शेष है। कमिश्नर ने कहा कि जहां-जहां आयुष्मान कार्ड सेन्टर पूर्व से संचालित है, उन केन्द्रों पर ही लगातार कार्ड बनाये जा सकते है। कलेक्टर ने कमिश्नर को अवगत कराया कि मुरैना में चंबल वाटर प्रोजेक्ट, डीआरडीए का प्रोजेक्ट, अटल प्रोग्रेस-वे, 1400 मेगावॉट का बनने वाला सौलर ऊर्जा पार्क, इजराइली हल्टीकल्चर प्रोजेक्ट एके.व्ही.एन का फूटवेयर पार्क शनि मंदिर के नजदीक बनने वाले रूलर टेक्नोलॉजी, नेशनल सीड़ कार्पोशन द्वारा 800 एकड़ में बनाने वाला शीड फार्म आने से मुरैना की तस्वीर एवं तकदीर बदल जायेगी। उन्होंने बताया कि पुरानी कलेक्ट्रेट भवन सहित सिविल लाइन जिसमें जिला न्यायाधीश कलेक्टर का बंगला शामिल है पर कॉमिशियल भवन बनाने की योजना को अंतिम रूप दिया जा रहे है। यही पर कर्मचारियों के लिये मल्टी बनाई जायेगी। कलेक्टर बंगला, जिला न्यायाधीश बंगला सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के बंगलो के लिये भूमि अधिग्रहण की जा चुकी है। कलेक्टर ने बताया कि एक जिला एक उत्पाद योजना के लिये मुरैना की गजक और सरसों के तेल उत्पादन को लिया है। मुरैना की प्रसिद्ध गजक के लिये जीआई टेग दिलाने की कार्यवाही चल रही है। जिला पंचायत के सीईओ श्री रोशन कुमार सिंह ने मनरेगा के कार्या सहित बनाये गये अमृत सरोवर तालावों की जानकारी से अवगत कराया। नगर निगम आयुक्त श्री संदीप जैन ने बताया कि पूर्व सर्वे के अनुसार मुरैना नगर निगम को 13-14 करोड़ रूपये का सम्पत्ति कर आना चाहिये था, नये सर्वे के अनुसार 25 करोड़ रूपये संपत्ति कर का प्रस्ताव तैयार किया है, लेकिन संपत्ति कर की वसूली 25 प्रतिशत ही हो रही है, जो बहुत कम है। इसके लिये कमिश्नर ने लोगों को जागरूक करने पर जोर दिया। श्री जैन ने बताया कि चंबल से पानी लाने के प्रोजेक्ट पर कार्यवाही शुरू की गई है। टीटमेन्ट प्लांट के लिये भूमि चिन्हित हो गई है। संपूर्ण मुरैना नगर में वाटर सप्लाई के लिये 16 टंकियों का निर्माण कराया जायेगा। नगरीय क्षेत्र में सीवेज का काम भी चल रहा है। नये रोड़ अभी नहीं बने है, क्योंकि वाटर सप्लाई की टंकियां बन जाने से घर-घर नल कनेक्शन देने के लिये फिर से खुदाई होना है।

कलापथक दल ने ग्राम डूडापुरा में दिया नशा न करने का संदेश

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- कलेक्टर श्री अक्षय कुमार सिंह के निर्देशन में सामाजिक न्याय विभाग के कलापथक दल के द्वारा जनपद पंचायत नरवर के ग्राम पंचायत करही के ग्राम डूडापुरा में नशा मुक्ति अभियान अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। नशा मुक्ति अभियान अंतर्गत शासकीय प्राथमिक विद्यालय ग्राम डूडापुरा में आयोजित कार्यक्रम में कलापथक दल के प्रमुख कलाकार श्री विनोद श्रीवास्तव द्वारा स्कूल के छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्परिणामों के संबंध में बताया। विद्यालय के प्राथमिक शिक्षक मोहन स्वरूप मिश्रा एवं सुषमा दुबे सहित अन्य छात्र-छात्राओं को कभी भी नशा न करने एवं नशा करने वालो को

उसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने की शपथ भी दिलाई। उन्होंने ग्राम अन्य स्थानों पर भी ग्रामीण जनों को जागरूक किया। प्रमुख कलाकार श्री विनोद श्रीवास्तव ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि आज युवा पीढ़ी नशे की ओर जा रही है। युवा शराब, गांजे, चरस समेत तमाम नशीली दवाओं का सेवन कर रहे है। आज के समय में सभी को नशे से रोकने के लिए जागरूक करना जरूरी है। इस दौरान उन्होंने आसपास रहने वाले लोगों को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक करने की अपील करते हुए शपथ दिलाई।

नायब तहसीलदार एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट और राजस्व विभाग एवं भू अभिलेख विभाग सुश्री ज्योति लक्षकार का विदाई समारोह समस्त अधिकारियों ने दी विदाई

पिछोर खनियाधाना के समस्त अधिकारियों द्वारा श्री ज्योति लक्षकार को दी विदाई

पुष्पांजली टुडे

पिछोर सब की जानी पहचानी एक ईमानदार अधिकारी नायब तहसीलदार एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट राजस्व विभाग एवं भू अभिलेख विभाग सुश्री ज्योति लक्षकार का विदाई समारोह संपन्न हुआ अधिकारियों द्वारा दी विदाई विदाई समारोह में पिछोर एसडीएम से लेकर खनियाधाना के समस्त राजस्व विभाग के कर्मचारी विदाई समारोह में सम्मिलित हुए एवं अपने एक ईमानदार ऑफिसर सुश्री ज्योति लक्षकार को हंसी खुशी से विदाई दी शिवपुरी जिलाधीश द्वारा दिनांक 6/10/ 22 को नायब

तहसीलदार एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट राजस्व विभाग एवं भू अभिलेख विभाग श्री ज्योति लक्षकार को तहसील कोलारस का दायित्व दिया गया था इसी क्रम में पिछोर नगर में सुश्री ज्योति लक्षकार का विदाई समारोह रखा गया और उन को विदाई दी गई इस कार्यक्रम में पिछोर राजस्व विभाग के समस्त कर्मचारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे एवं खनियाधाना से भी राजस्व विभाग के समस्त कर्मचारी विदाई समारोह कार्यक्रम में उपस्थित रहे

गरबा-डांडिया का समापन

पुष्पांजली टूडे

बेंगलुरू ञ्श्री यशवंतपुर नवरात्रि युवा मंडल की ओर से कल नवरात्रि प्रोग्राम का समापन हुआ , इस अवसर पर वी आर कैपिटल के सीओ विनोद पालीवाल और कॉलेज शिक्षा के मैनेजिंग डायरेक्टर अनील सीरवी मौजूद रहे और इन होने मिस्टर

नवरात्रि और मिस नवरात्रि को ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र देकर समानित किया गया।इस अवसर पर नवरात्री में पार्टिसिफेट लेने वाले 48 युवाओं को बेस्ट डांस सर्टिफिकेट देके समानीत किया , और इस प्रोग्राम को लेके बहुत बहुत आभार प्रकट किया और आगे भी आने वाले समय में सहयोग देने का आश्वासन दिया ।और श्री यशवंतपूर नवरात्रि युवा मण्डल की ओर से कमिटी मेम्बर भरत, राहुल, हितेश, एवं संपूर्ण कमिटी मेम्बर ने वीआर कैपिटल के सीओ विनोद और कॉलेज शिक्षा के मैनेजिंग डायरेक्टर अनिल सीरवी को मोमेंटो और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया । इस मौके पर ट्रस्ट के सभी पदाकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में 823 पुजारियों की बैठक सम्पन्न

मुरैना से भी उज्जैन के लिये पुजारियों का दल जायेगा

श्री महाकाल लोक का लोकार्पण प्रधानमंत्री श्री मोदी 11 अक्टूबर को करेंगे

गौरव शर्मा पुष्पांजली टुडे

मुरैना। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि 11 अक्टूबर को श्री महाकाल लोक का लोकार्पण प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। कार्यक्रम में पूरे प्रदेश के पुजारी महंत उपस्थित रहें। इस संदर्भ में कलेक्टर श्री बी.कार्तिकेयन ने मुरैना जिले में धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के अन्तर्गत 823 मंदिरों के पुजारियों की बैठक कलेक्टर सभाकक्ष मुरैना में गुरूवार को ली। बैठक में पुजारियों से आग्रह किया कि उज्जैन जाने के लिये मुरैना से वाहन उपलब्ध करायें जायेंगे, जो भी पुजारी उज्जैन जाना चाहते है, वे अपनी सहमति अपर कलेक्टर को प्रदान करें। कलेक्टर ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों से पवित्र नदियों का जल ले जाकर

उज्जैन के रूध्र सागर में समाहित किया जायेगा। इसके लिये हम चाहते है कि चंबल नदी मुरैना से भी जल उज्जैन पहुंचे और रूध्र सागर में समर्पित किया जाये बैठक में अपर कलेक्टर श्री नरोत्तम भार्गव, एसडीएम मुरैना श्री शिवलाल शाक्य, अम्बाह एसडीएम श्री राजीव समाधिया सहित 823 मंदिरों के पुजारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने बताया कि पोरसा के 47, अम्बाह के 45, मुरैना के 180, जौरा के 319, कैलारस के 73, सबलगढ़ के 159 मंदिर चिन्हित है। इनके सभी पुजारी इस कार्य में आगे आयें और सभी मंदिरो पर 11 अक्टूबर को पुजा अर्चना की जाये, रोशनी का प्रबंध किया जाये। एलईडी का प्रबंध करके सभी जनता को प्रधानमंत्री का संबोधन दिखवाया एवं सुनवाया जाये कलेक्टर ने कहा कि श्री महाकाल लोक के लोकार्पण से सम्पूर्ण प्रदेशवासियों को वर्चुअली जोड़ने की व्यवस्था की जा रही है। जिलों के प्रमुख मंदिरों में टी.वी. स्क्रीन से आमजन को इस कार्यक्रम को देखने का अवसर मिलेगा। यह मध्यप्रदेश ही नहीं, संपूर्ण देशवासियों के लिए आस्था और सामाजिक एकता से जुड़ा महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। जिलों में लोकार्पण कार्यक्रम का प्रसारण देखने के लिए वातावरण बनाएँ कलेक्टर ने कहा कि लोकार्पण समारोह की आवश्यक तैयारियाँ की जा रही हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 11 अक्टूबर की शाम 6 बजे श्री महाकाल लोक का लोकार्पण करेंगे। यह कार्यक्रम पूरे प्रदेश में मनाया जाना है। इसके लिए जिलों में ऐसा वातावरण बनाया जाएँ, जिससे अधिक से अधिक लोग कार्यक्रम देख सकें। ग्राम के किसी एक मंदिर में सभी ग्रामवासी एकत्र होकर समारोह के सहभागी बनेंगे। शहरी क्षेत्र में वार्डों में भी प्रमुख मंदिरों में कार्यक्रम प्रसारण की व्यवस्था करने को कहा गया है। ग्राम स्तर पर मंदिरों में 11 अक्टूबर को विद्युत साज-सज्जा हो। वाद्य यंत्र बजें, रंगोली सजाएँ, पताका लहराएँ और प्रसाद वितरण भी किया जाएँ। सभी लोग मंदिर प्रांगण में बैठ कर शंख और घण्टियाँ बजाते हुए कार्यक्रम में शामिल हों। देवस्थलों में दीप-मालाएँ जला कर रोशनी की जाए। बड़े मंदिरों में 10 और 11 अक्टूबर को अभिषेक और पूजन किए जाए

जिला पंचायत सीईओ विवेक कुमार ने जनपद पंचायत लांजी की विभिन्न ग्राम पंचायतों का लिया जायजा

रितेश कटरे ब्यूरो चीफ पुष्पांजली टुडे

बालाघाट। मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान शिविरों के माध्यम से अब तक प्राप्त हुए आवेदन पात्रता होने के बाद भी शासन की योजनाओं के लाभ से वंचित लोगों को योजना का लाभ दिलाने के लिए मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में 17 सितम्बर 2022 से मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान प्रारंभ किया गया है, जो 31 अक्टूबर 2022 तक चलेगा। अभियान के अंतर्गत ग्रामों एवं नगरीय क्षेत्रों में शिविरों का आयोजन कर आम जन से उनकी समस्याओं एवं योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए दिये गये आवेदन एकत्र किये जा रहे है। मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के अंतर्गत प्रदेश शासन द्वारा 33 योजनाओं को शामिल किया गया है। आवेदनों के निराकरण की कार्यवाही शिविरो के माध्यम से की जा रही है।

जनपद पंचायत लांजी अंतर्गत ग्राम पंचायत घोटी घुसमारा का किया दौरा

अभियान की प्रगति की समीक्षा हेतु जनपद पंचायत लांजी की ग्राम पंचायतो में मैदानी स्तर पर जाकर सीईओ जिला पंचायत द्वारा जानकारी प्राप्त की एवं ग्रामीणों के आवेदनों पर की जा रही कार्यवाही एवं निराकरण में आ रही समस्याओं के निराकरण करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए ताकि अधिक से अधिक लोगो को लाभान्वित किया जाकर शासन की मंशा के अनुरूप कार्य किए जा सके। ग्राम पंचायत घोटी घुसमारा में सीएम जन कल्याण अभियान अंतर्गत चल रहे शिविर में पहुंच कर शिविर में प्राप्त आवेदनों एवं निराकरण की समीक्षा की गई तथा शिविर में लगे कर्मचारी अधिकारियों को उक्त शिविर में आए आवेदनों का निराकरण करने हेतु निर्देश प्रसारित किए गए। ग्राम पंचायत दिघोरी में अम्रत सरोवर का निरिक्षण किया। इस दौरान लांजी सीईओ रंजीत सिंह तारम एवं अन्य उपस्थित रहे।

साइबर जागरूकता दिवस, राज्य साइबर पुलिस के निर्देशों का पालन जतारा पहुंची पुलिस की टीम ,लोगों को किया जागरूक

पुष्पांजली टुडे
संवाददाता सुनील कुमार अहिरवार

टीकमगढ़ । राज्य साइबर पुलिस मुख्यालय भोपाल के द्वारा साइबर जागरूकता दिवस मनाए जाने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी तारतम्य में पुलिस अधीक्षक प्रशांत खरे के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम के मार्गदर्शन में डीएसपी महिला सेल प्रिया सिंधी के नेतृत्व में दिनांक 07.10. 2022 को कस्बा जतारा में साइबर सेल टीकमगढ़ की टीम प्रभारी साइबर सेल निरीक्षक मनीष कुमार,उपनिरीक्षक मयंक नगायच ,प्रधान आरक्षक रहमान खान एवं थाना जतारा से थाना प्रभारी निरीक्षक त्रिवेंद्र त्रिवेदी,उप निरीक्षक अजय प्रताप सिंह सहित जतारा थाना पुलिस स्टाफ द्वारा तहसील कार्यालय जतारा के कर्मचारियों,शासकीय महाविद्यालय जतारा के छात्र छात्राओं,शिक्षकों एवं कस्बा बाजार में आमजन को पंपलेट आदि वितरित कर साथ ही थाना जतारा में पुलिस स्टाफ को साइबर अपराध क्या है तथा इनसे बचने के उपायों के बारे में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

शिवपुरी पुलिस द्वारा अंधे कत्ल का पर्दाफास कर दोनों आरोपियों को किया गिरफ्तार, मृतक की पत्नी एवं उसके मित्र ने दिया घटना को अंजाम ।

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- खबर कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले बस स्टैंड के पीछे सरकारी मकान में दिनांक 30.09.2022 को रात्री लगभग 09.30 बजे थाना कोतवाली पर सूचना प्राप्त हुयी कि बस स्टेण्ड के पीछे मनियर रोड़ पर बने शासकीय कमरे मे एक व्यक्ति की गला रेत कर हत्या कर दी गयी है । सूचना पर से कोतवाली पुलिस द्वारा तुरंत कार्यवाही करते हुये घटना स्थल पर पहुंच कर घटना का जायजा लिया बाद थाना कोतवाली मे अपराध क्रमांक 705/2022 धारा 302,34 भादवि का कायम कर विवेचना मे लिया गया उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुये पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री राजेश सिंह चंदेल द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण किया एवं अज्ञात आरोपी की गिरफ्तारी हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये । पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री राजेश सिंह चंदेल के निर्देशन, अति. पुलिस अधीक्षक शिवपरी श्री प्रवीण कुमार भूरिया के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी शिवपुरी श्री अजय भार्गव के नेतृत्व मे पुलिस टीम गठित की, पुलिस द्वारा घटना स्थल से साक्ष एकत्रित किये गये एवं मुखविर तंत्र को सक्रिय किया गया । पुलिस टीम द्वारा मृतक से जुड़े लोगों से

पूछताछ की गयी, दिनांक 06.10.2022 को मृतक की पत्नी के मित्र द्वारा एक वीडियो पुलिस टीम को दिया गया जिसमे उसने दो लड़कों पर संदेह जताया, पुलिस द्वारा उक्त दोनों लड़कों की तलाश कर उनसे पूछताछ की तो दोनों लड़कों ने बताया कि वीडियो देने बाले व्यक्ति को मृतक की पत्नि के साथ हमने देख लिया था इसलिये हमारी उससे लड़ाई हो गई थी तभी उसने ये वीडियो बनाया था एवं हमे फसाने के लिये ये वीडियो दिया है । उक्त दोनों लड़कों के कथनों के आधार पर मृतक की पत्नी के मित्र पर संदेह होने पर उसे पकड़कर हिकमत अमली से पूछताछ की गई तब उसने बताया कि मेरा मृतक की पत्नी के घर आना जाना था एवं मृतक को यह बात पाता चल गई थी तब मैने मृतक की पत्नी के साथ मिलकर धारदार बका से गला काटकर हत्या कर दी, घटना करते समय हमारे कपड़ों पर भी खून लग जाने से हमने अपने कपड़े एवं घटना मे प्रयुक्त बका छुपाकर रख दिया है । पुलिस द्वारा आरोपियों की निशानदेही पर आरोपियों के खून से शने कपड़े एवं घटना मे प्रयुक्त बका आरोपी पुरुष के घर (कमलागंज) से बरामद कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया । उक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी कोतवाली निरी. सुनील खेमरिया, उनि. अरविंद छारी, उनि. सुमित शर्मा, सउनि. सुल्तान सिंह, प्रआर. ऊदल सिंह गुर्जर, नरेश यादव, आर. अजीत, भूपेन्द्र, हरेन्द्र, बृजेन्द्र, म.आर. रष्मि भार्गव, आर.चा. आनंद की सराहनीय भूमिका रही ।

महेंद्र मुणोत ने की देवी मां की पूजा - अर्चना

पुष्पाजंली टुडे

बैंगलुरू -श्री वैशाली जनकल्याण दुर्गा पूजा समिति द्वारा बीटीएम लेआउट में आयोजित दशहरा महोत्सव में विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां की पूजा अर्चना कर अपने संबोधन में कहा हम हर वर्ष रावण के पुतले को जलाते हैं लेकिन हमारे मन में जो बुराई रूपी रावण

छुपा हुआ है उसे जलाने पर ही इस पर्व की सार्थकता है समिति के पदाधिकारियों ने मुणोत को सम्मानित किया।

हेड पंप के ऊपर से निकल रहा है पानी

पुष्पांजलि टुडे
अरूण खंगार पुष्पांजली टुडे

पोहरी। जनकरी केअनुसार पोहरी नगर परिषद क्षेत्र के बार्ड क्रमांक 13 माधोपुर सोनीपुरा आदिवासी बस्ती के नजदीक बने एक शासकीय हैंडपंप जो लंबे समय लगभग माह से खराब पड़ा हुआ है, बोरवेल एवं पानी की कमी आ जाने के कारण ऊपर से पानी निकलने लगा है लोग उसे चमत्कारी समझ रहे है कि पानी निकल आ जाने के तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं

पेंशनर्स के साथ फिर धोखा, मुख्यमंत्री द्वारा आश्वाशन देने के बाद भी, बहाना बनाकर रोका गया डी. ए.

महेन्द्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। दिलीप मिश्रा, लेखक उपाध्यक्ष मध्यप्रदेश पेंशनर्स महासंघ ग्वालियर से प्राप्त जानकारी अनुसार एक समाचार के तहत मध्यप्रदेश शासन के नियमित कर्मचारियों को मध्यप्रदेश सरकार 4 प्रतिशत डी. ए. दिये जाने हेतु सहमत हो गई है, पर प्रदेश के सेवानिवृत्त 4.50 लाख कर्मचारियों/अधिकारियों को 10 प्रतिशत लंबित डी.ए. दिये जाने में राज्य पुनर्गठन अधिनियम की धारा 49 का फिर से अड़ग़ा डाला गया है और छत्तीसगढ़ सरकार जिसकी मात्र 34 प्रतिशत की हिस्सेदारी है, से सहमति का बहाना पुन- बना कर डी.ए. रौक दिया गया है 7 मध्य प्रदेश सरकार के पेंशनर्स के सात इस वादाखिलाफी और धौखाधड़ी के व्यवहार पर मध्य प्रदेश के 4.50 लाख सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों मैं रौश और असंतोष गहरा रहा है और मध्यप्रदेश सरकार के अपने वयोवृद्ध सेवानिवृत्त सेवको के साथ इस सोतेले व्यवहार से मध्यप्रदेश सरकार की सार्वजनिक छवि धूमिल और अविश्वसनीय हो गई है ?ज्ञात हो कि विगत दिनों मध्यप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह जी चौहान ने सेवानिवृत्त कर्मचारी महासंघ के प्रतिनिधि मंडल से भेंट कर यह विवादित धारा 49 को समाप्त किये जाने का आस्वासन भी दिया था, जिसे माननीय श्री मुख्यमंत्री जी शायद भूल गये हैं 7 इस विवाद का सबसे हास्यास्पद तथ्य तो यह कि जिस मध्यप्रदेश की 74 प्रतिशत हिस्सेदारी है वह मध्यप्रदेश, मात्र 36 प्रतिशत हिस्सेदारी के छत्तीसगढ़ सरकार से सहमति के लिए गिड़गिड़ा रहा है 7 मध्यप्रदेश के सेवानिवृत्त कर्मचारियों/अधिकारियों के साथ इस दोहरे और हास्यास्पद व्यवहार से केवल मध्यप्रदेश सरकार की छवि ही खराब हो रही है, क्योंकि छत्तीसगढ़ सरकार तो अपने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को मध्यप्रदेश सरकार से बिना सहमति लिए सभी लाभ निर्भोक हो कर दे रही है 7 अत- मध्य प्रदेश सरकार को अपने सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों को बिना किसी कूटनीतिक छल और व्यवहार किये बिना लंबित 10 प्रतिशत डी ए नियमित कर्मचारियों के साथ ही घोषित किये जाने की घौषणा करना चाहिए और अपनी उदारता की भावना का परिचय देना चाहिए ।

रामघाट पर हुई रामलीला आतिशबाजी और शिप्रा की महाआरती

उज्जैन।

ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर मंदिर के नवविस्तारित क्षेत्र महाकाल लोक के सात दिवसीय लोकार्पण महोत्सव की श्रृंखला में गुरुवार शाम रामघाट पर रामलीला हुई। मोक्षदायिनी मां शिप्रा की महाआरती हुई। आकर्षक आतिशबाजी की गई। जिला प्रशासन के माध्यम से ऐसा महाकाल के लोकार्पण वाले दिन, 11 अक्टूबर तक हर शाम होगा।

अधिकारियों ने बताया कि हर दिन शिप्रा आरती में कई नवाचार किए जाएंगे। घाट पर विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृति कार्यक्रम होंगे। शुक्रवार शाम कालबेलिया नृत्य और रोप जंप की प्रस्तुति दी जाएगी। साथ ही 100-200 कंडिल (लेंटर्न) उड़ाए जाएंगे। शनिवार शाम सुन्दरकांड पाठ होगा। भजन मंडलियों द्वारा भजन प्रस्तुति दी जाएंगीं। मां शिप्रा की आरती ढोल, ताशे और नगाड़े के साथ की जाएगी। रविवार को शरद पूर्णिमा के अवसर पर मां काली पर आधारित कार्यक्रम होंगे। इसमें महाखंब खिलाड़ी हैरतअंगेज प्रदर्शन करेंगे। मां शिप्रा की धुंध वाली आरती की जाएगी। सोमवार शाम फाग उत्सव मनाया जाएगा। भगवान राधा-कृष्ण पर केंद्रित सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। फूलों की होली खेली जाएगी। शिप्रा आरती में गुलाल उड़ाया जाएगा। मंगलवार को महाकाल लोक के लोकार्पण के अवसर पर 21 पंडितों के द्वारा मां शिप्रा की आरती की जाएगी। मलखंभ का प्रदर्शन, आतिशबाजी होगी। इस दरमियान गुलाल और लेंटर्न उड़ाए जाएंगे। भजन संध्या भी होगी।

सामाजिक न्याय परिसर में भी रामलीला का मंचन

आगर रोड स्थित सामाजिक न्याय परिसर में 8 से 16 अक्टूबर तक हर शाम 7 से 9 बजे तक भव्य लाइट एंड साउंड आधारित रामलीला का मंचन होगा। आयोजन संस्था संस्कार मंच की ओर से किया जाएगा। संयोजक सोनू गेहलोत ने बताया कि रामलीला में 125 कलाकार प्रस्तुति देंगे। कलाकार बीते एक माह से रिहर्सल कर रहे हैं।

ये कार्यक्रम भी होंगे

7 अक्टूबर को शास्त्री नगर मैदान पर शाम सात बजे हेडवे क्रियेशंस ग्रुप दिल्ली द्वारा महादेव लेजर शो और राष्ट्रवादी सामान्य जनचेतना विकास के 150 कलाकारों द्वारा महानाट्य %महाकाल गाथा% का मंचन होगा। महाकाल के प्राकट्य पर आधारित नाटक दो घंटे का होगा, जिसमें शिव बारात के दृश्यों में वास्तविक हाथी-घोड़े शामिल होंगे। महानाट्य के निर्देशक जगरूपसिंह चौहान और संगीत निर्देशक इंदरसिंह बैस हैं। पटकथा गिरीजेश व्यास ने लिखी है। 8 अक्टूबर को इसी समय मथुरा के प्रसिद्ध गायक पंडित सुखदेव चतुर्वेदी श्रीकृष्ण प्रणीत महाकाल स्त्रोतम का गान और महानाट्य महाकाल गाथा का मंचन होगा। 9 अक्टूबर को टेलीविजन शो इंडिया गाट टेलेंट में प्रस्तुति दे चुके वारियर स्क्वाड एवं बाम्बे फायर ट्रूप के कलाकारों द्वारा शिव गणेश स्तुति की प्रस्तुति देंगे।

भिंड जिले को मिला नया भाजपा अध्यक्ष, श्री देवेन्द्र सिंह नरवरिया संभालेंगे जिले की कमान

महेन्द्र शर्मा, उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

गोहद - भिंड। भारतीय जनता पार्टी हाईकमान ने गुना अशोकनगर ग्वालियर भिंड 4 जिलों में नए जिला अध्यक्षों की घोषणा कर जिम्मेदारी सौंपी है जिसमें भिंड जिले से श्री देवेंद्र जी नरवरिया जी को भारतीय जनता पार्टी ने नया अध्यक्ष बनाकर उनको पार्टी की जिले की कमान सौंपी है श्री देवेंद्र भैया जी को भाजपा जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर उनके मित्रों और साथियों ने बधाई और शुभकामनाएं दी है। शुभकामनाएं देने वालों में श्री उपेंद्र जी राजौरिया जिला मंत्री भाजपा, मनोज शर्मा अध्यक्ष युवा मोर्चा मंडल गोहद व उनकी टीम अमित दुबे, ऋषभ शर्मा गोहद मंडल अध्यक्ष सिंधिया क्लब, पूरन जयंत, ऋषि जयंत, संतोष शर्मा, प्रमोद संजीव, गौरव राजू यादव आदि ने शुभकामनाएं और बधाई दी एवम पार्टी के वरिष्ठ अधिकारियों व हाई कमान को धन्यवाद कर आभार जताया।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजन अंतर्गत 2कीलो सरसों का उन्नति बीज वितरित किया

अरूण खंगार पुष्पांजली टुडे

पोहरी राष्ट्रीय खाद सुरक्षा मिशन योजनांतर्गत की खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य सरकार द्वारा सरसो के मिनी कीट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मंडल अध्यक्ष आशुतोष जेमिनी के द्वारा कृषि विभाग के कार्यालय पर में सरसों का उन्नत बीज वितरित किए गए जिसमें भाजपा भाजपा कार्यकर्ता एवं अधिकारी कर्मचारी गण उपस्थित नागरिक जाना उपस्थित रहे

हरदेव लोधी समाज का? प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

रितेश कटरे ब्यूरो चीफ पुष्पांजली टुडे

बालाघाट। हरदेव लोधी समाज ,परिक्षेत्र लाँजी के द्वारा हरदेवु लोधी समाज के प्रतिभावान छात्र/छात्राओं एवं समाज से नवनिर्वाचित पंच,सरपंच, जनपद सदस्य, जिला पंचायत सदस्यों को कार्यक्रम मे उपस्थित अध्यक्ष राजकुमार करहि ,मुख्य अतिथि बुधराम देवगड़े, विशेष अतिथि बारेलाल बडंपैया, श्रीमती लता कुचलाहे, संतोष बड़पैया व विशेष आमंत्रित सदस्य कन्हैयालाल कुचलाहे, श्री पितमलाल कलपुरिया, श्री फत्तुलाल बम्बुरे,श्रीमती सरिता बड़पैया, श्रीमती सरोज कलपुरे, सुरेश करहि, जोरनलाल कचवाहे, के द्वारा प्रशस्ति पत्र व मेडल द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ मंचासिन अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती के छाया प्रति एवं विरांगना रानी अवंति बाई के छायाप्रति के सामने दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम का संचालन चमरुलाल बेलपैया के द्वारा एवं आभार व्यक्त हरदेव लोधी समाज पुरुष ब्लॉक अध्यक्ष विजय कुचलाहे के द्वारा किया गया।उपस्थित गणमान्य नागरिक श्री दिनेश कचवाहे, रूपचन्द्र कुशले, ठाकुर चंद कुचलाहे, झनकार बडपैया, विजय कुशले, घनाराम बडपैया, मोतीचंद कलपुरे,यादोराव बैलपेया, सुखदेव बरगैया, प्रेमचंद बडपैया,रवि गरूडे, संतोष लाखे, राधेश्याम कचवाहे, भूपेश करहि आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित हुए

अम्बाह पीजी कॉलेज में भूत पूर्व बिधार्थी मिलन समारोह में एक दूसरे के गले मिले तो छलक आए खुशी के आंसू... रामनरेश शर्मा सरपंच बरबाई

केशब पंडित जी अम्बाह...

अम्बाह... महाविद्यालय के मुख्य द्वार में प्रवेश करते ही रोम - रोम पुलकित हो गया, मन के मानसरोवर में आनंद की हिलोरें उठने लगीं। गुरुकुल की माटी को माथे पर चंदन की तरह लगाकर एक आलौकिक अनुभूति, उद्यान के हंसते मुस्कुराते पुष्प मानो हमारे स्वागत को आतुर हैं, संस्था की दीवारों पर मानो पुरानी यादें चित्रित हो रही हैं। उक्त भावों की सरिता भूतपूर्व विद्यार्थियों के हृदय से उमड़ रही थी। इस भाव अप्लावन सभी अवगाहन कर रहे थे। । पूर्व छात्र अपनी यादों का स्मरण करके जहाँ उनके मुख पर चमक थी तो वहीं एक दूसरे साथियों के गले लगकर खुशी आंसू छलकते हुए देखे गए । माहौल जितना सुखद था उतना ही भावुकता पूर्ण।

महाविद्यालय का अनुशासन, विद्यार्थियों के संस्कार देखकर हम हमें गर्व है कि अम्बाह कॉलेज हमारी शिक्षा स्थली रही है।

इस तरह के विचार शुक्रवार को

स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बाह के सभागार में द्वितीय भूतपूर्व विद्यार्थी मिलन समारोह के भव्य आयोजन में आगंतुक पूर्व छात्र छात्राओं ने व्यक्त किये।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सन 1974 के वैच के पूर्व छात्र बी डी शर्मा मंच पर थे। अध्यक्षता संस्था के शासी निकाय के अध्यक्ष डॉ. ओपी शुक्ला ने की तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में शिक्षा समिति के सचिव डॉ. नारायण हरि शर्मा व एडवोकेट प्रवीण शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन से हुआ। संस्था के प्राचार्य डॉ. शिवराज सिंह तोमर ने सभी मंचासीन अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया और स्वागत भाषण में सभी का अभिनंदन किया। भूतपूर्व विद्यार्थी परिषद के अध्यक्ष प्रो मुकेश श्रीवास द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शशिवल्लभ शर्मा व डॉ. रामकिशोर उपाध्याय ने किया। कार्यक्रम के बीच में महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा मनोहारी सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। समोराह में आए हुए सभी पूर्व विद्यार्थियों को मंच पर क्रमानुसार आमन्त्रित किया जिन्होंने अपना अपना परिचय दिया और बताया कि वर्तमान में कहाँ क्या कर रहे हैं। तदुपरांत मंच द्वारा उन्हें स्मृति चिह्न, स्मारिका, उपहार प्रदान किये गए।

सहारा समूह के मालिक की बड़ी मुश्किलें-सुब्रत राय के लखनऊ निवास व ठिकानों पर एमपी की दतिया पुलिस की छापेमारी

कोतवाली थाना प्रभारी विजय सिंह तोमर पुलिसबल सहित पहुंचे लखनऊ

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दतिया- निवेशकों के साथ धोखाधड़ी करने के मामले में सहारा इंडिया परिवार के चेयरमैन सुब्रत रॉय की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं।मध्यप्रदेश के दतिया के निवेशकों द्वारा एफआईआर दर्ज कराने के बाद अब दतिया पुलिस ने शुक्रवार को सुब्रत राय के उत्तरप्रदेश के लखनऊ निवास व अन्य ठिकानों पर दबिश दी।यहां बता दें कि सहारा के चेयरमैन सुब्रत राय व उनकी पत्नी के खिलाफ दतिया में धोखाधड़ी के कुल 10 मामले दर्ज है।इसी के साथ सहारा से जुड़े कुछ अन्य लोगो पर भी मुकदमे दर्ज हैं।कोतवाली थाना प्रभारी विजय सिंह तोमर ने बताया कि शुक्रवार को सहारा इंडिया कंपनी के चेयरमैन सुब्रत राय के लखनऊ निवास व अन्य ठिकानों पर पुलिस फोर्स सहित दबिश दी गई।सुब्रत राय व उनकी पत्नी सहित कंपनी के अन्य लोगों पर धोखाधड़ी व अन्य धाराओं के तहत कुल 10 मुकदमें दर्ज हैं।उन्होंने बताया कि दबिश के दौरान सुब्रत राय अपने निवास पर नहीं मिले।वहीं पुलिस ने कंपनी के अन्य सदस्यों के भी एड्रेस कलेक्ट किए हैं,जिनके ठिकानों पर भी दबिश दी जाएगी।दबिश के दौरान एसआई भास्कर शर्मा,एसआई अर्चना पाल,एएसआई रामनिवास नन्दा,हैड कांस्टेबल शिवकुमार,हैड कांस्टेबल नीरज,हैड कांस्टेबल धर्मेंद्र सहित 6 कांस्टेबल मौजूद रहे।

नकली किन्नर ने ट्रेन में साढ़े तीन वर्ष के बच्चे का सिर फोड़ा

नागदा। जम्मूतवी हापा ट्रेन में मंगलवार को रतलाम से लेकर नागदा तक शराब के नशे में नकली किन्नर ने उत्पात मचाया। साढ़े तीन वर्ष के एक बालक के साथ बुरी तरह मारपीट कर बैसाखी से सिर फोड़ दिया। यात्री ने आरपीएफ थाने में सूचना दी। नागदा रेलवे स्टेशन पर किन्नर को पकड़कर जीआरपी के सुपुर्द किया। वहां उस पर प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किया। मंगलवार की शाम रतलाम से जम्मूतवी हापा ट्रेन में कोच नंबर डी-4 में नकली किन्नर रामगोपाल पुत्र गणपत चंद्रवंशी (सलमा) निवासी आजादपुरा टापरी नंबर 22 उम्र 35 वर्ष ने शराब के नशे में उत्पात मचाया। इस दौरान किन्नार ने प्रिंसनाथ पुत्र दिनेश उम्र साढ़े तीन वर्ष निवासी शामगढ़ के साथ बुरी तरह मारपीट कर बैसाखी से उसका सिर फोड़ दिया। यात्रियों ने इसकी सूचना आरपीएफ पुलिस को दी। नागदा रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ थाना प्रभारी पांडे ने आरोपित नकली किन्नर को पकड़कर जीआरपी के सुपुर्द किया। जीआरपी ने मारपीट की धारा में आरोपित को गिरफ्तार कर जीरो पर कायमी कर रतलाम जीआरपी पुलिस को सौंप दिया। जीआरपी पुलिस सूत्रों के अनुसार सलमा नकली किन्नर है। इसके दो बच्चे भी हैं। पूर्व में काम धंधा करता था। लगभग एक वर्ष से नकली किन्नर बनकर ट्रेनों में यात्रियों से भीख मांगता है। पूर्व में इसी ट्रेन में एक महिला के साथ भी दुर्व्यवहार किया था। उस समय इसे समझाकर छोड़ दिया था। इसकी हरकतों से किन्नर समाज ने भी इसके साथ मारपीट कर बाल काट दिए थे। बता दें कि ट्रेनों में भिक्षुकों का आना-जाना प्रतिबंधित है।

प्रदेश के लिये 11 व 16 अक्टूबर बनेंगे ऐतिहासिक दिन : मुख्यमंत्री श्री चौहान

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ग्वालियर पहुँचकर एयरपोर्ट शिलान्यास कार्यक्रम का लिया जायजा

केन्द्रीय मंत्री द्वय श्री तोमर व श्री सिंधिया सहित राज्य सरकार के मंत्रिगणों के साथ की तैयारियों की समीक्षा

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश के लिए 11 व 16 अक्टूबर ऐतिहासिक दिन बनने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 11 अक्टूबर को पवित्र नगरी उज्जैन में ÷श्री महाकाल लोक÷ का लोकार्पण करेंगे। इसी तरह गृह मंत्री श्री अमित शाह द्वारा 16 अक्टूबर को ग्वालियर में अत्याधुनिक एयरपोर्ट का शिलान्यास किया जायेगा। उन्होंने कहा ग्वालियर के विकास में नए अध्याय के रूप में जुड़ने जा रहे लगभग 500 करोड़ रूपए लागत के अत्याधुनिक एयर टर्मिनल के निर्माण से ग्वालियर व चंबल अंचल की प्रगति व विकास को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ग्वालियर में 16 अक्टूबर को प्रस्तावित ग्वालियर एयरपोर्ट के शिलान्यास कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने पहुँचे थे।

शुक्रवार को ग्वालियर प्रवास के दौरान केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर और केन्द्रीय नागरिक उड्डयन व इस्पात मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की अलग-अलग बैठक लेकर एयरपोर्ट विस्तार के शिलान्यास कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। इस अवसर पर जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सहकारिता मंत्री श्री अरविंद भदौरिया, राजस्व व परिवहन मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री भारत सिंह कुशवाह, राज्य मंत्रिगण श्री ओपीएस भदौरिया, श्री सुरेश धाकड़ व श्री बृजेन्द्र सिंह यादव तथा सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर मंचासीन थे।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सांस्कृतिक पुनरूत्थान कार्यक्रम के तहत केदारनाथ, काशी व अयोध्या नगरी की तर्ज पर पवित्र नगरी उज्जैन में ÷श्री महाकाल लोक÷ का निर्माण किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 11 अक्टूबर को ÷श्री महाकाल लोक÷ को महाकाल के चरणों में समर्पित करेंगे। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सारा देश तेजी के साथ प्रगति पथ पर आगे बढ़ रहा है। ग्वालियर-चंबल अंचल का भी चौतरफा विकास हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने एलीवेटेड रोड़, वेस्टर्न बाईपास व राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण व सिंचाई परियोजनाओं का हवाला देते हुए कहा कि इसी कड़ी में ग्वालियर को नए एवं अत्याधुनिक एयरपोर्ट की सौगात मिलने जा रही है। देश के गृह मंत्री श्री अमित शाह यह सौगात देने 16 अक्टूबर को ग्वालियर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इस अवसर पर मौजूद जनप्रतिनिधियों का आह्वान किया कि सांस्कृतिक एवं अधोसंरचनागत विकास व प्रगति के आयामों की जानकारी जन-जन तक पहुँचे। इसलिये इन दोनों कार्यक्रमों में पूरे उत्साह के साथ न केवल स्वयं शामिल हों बल्कि बड़ी संख्या में जनमानस को भी भागीदार बनाएँ।

16 अक्टूबर को ऊँची उड़ान भरेगा ग्वालियर - श्री नरेन्द्र सिंह तोमर

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि 16 अक्टूबर को ग्वालियर ऊँची उड़ान भरने जा रहा है। इस दिन देश के गृह मंत्री श्री अमित शाह ग्वालियर को अत्याधुनिक एयर टर्मिनल की सौगात देंगे। उन्होंने कहा ग्वालियर उत्तरोत्तर प्रगति की ओर अग्रसर है। लेकिन यह प्रगति तभी सार्थक होगी, जब इसमें आम जनता की भागीदारी भी हो। इसलिए एयरपोर्ट के शिलान्यास कार्यक्रम में आम जनता को भी शामिल कराने में सभी सहभागी बनें। श्री तोमर ने कहा खुशी की बात है कि भारत सरकार के नागर विमानन मंत्रालय का दायित्व अपने ग्वालियर के श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया संभाल रहे हैं। इसका स्वाभाविक फायदा ग्वालियर को मिल रहा है। श्री तोमर ने इस अवसर पर यह भी कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर अनुदान आधारित उड़ान योजना संचालित है, इससे अब आम आदमी भी बहुत कम खर्चे पर हवाई सफर कर सकता है।

आधुनिकता के साथ ऐतिहासिक विरासत का सामवेश भी होगा एयरपोर्ट में - श्री सिंधिया

केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि जिस शहर में अत्याधुनिक विमान तल और अच्छी एयर कनेक्टिविटी होती है, वहाँ स्वतः ही आर्थिक गतिविधियाँ बढ़ जाती हैं। अत्याधुनिक एयरपोर्ट के निर्माण से ग्वालियर तेजी से देश के नक्शे पर उभरेगा। उन्होंने कहा करीबन 500 करोड़ रूपए की लागत से होने जा रहे एयरपोर्ट के विस्तार में जहाँ एक ओर अत्याधुनिक एयर टर्मिनल का निर्माण होगा, वहीं दूसरी ओर ग्वालियर की सांस्कृतिक व ऐतिहासिक विरासत की पहचान भी स्थापित होगी। श्री सिंधिया ने कहा ग्वालियर से देश के बड़े-बड़े शहर अब सीधी वायु सेवा से जुड़ गए हैं।

मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य जहाँ हिन्दी में होगी मेडीकल की पढ़ाई : मुख्यमंत्री श्री चौहान

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इस अवसर पर कहा कि मध्यप्रदेश देश का ऐसा पहला राज्य बनने जा रहा है जहाँ हिन्दी में मेडीकल की पढ़ाई होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सोच है कि मातृ भाषा में इंजीनियरिंग व मेडीकल की पढ़ाई हो। उन्हीं की मंशा को मूर्त रूप देने के लिये मध्यप्रदेश में मेडीकल की पढ़ाई हिन्दी में शुरू की जा रही है।

सुव्यवस्थित आयोजन के लिये डिटेल एडवांस व माइक्रो प्लानिंग करें - मुख्यमंत्री श्री चौहान

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर एयरपोर्ट शिलान्यास कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने कलेक्टर सहित सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि व्यवस्थाओं को इस प्रकार से अंतिम रूप दें जिससे समारोह में आने वाले आम नागरिकों को कोई दिक्कत न हो। लोग समय पर कार्यक्रम स्थल पर पहुँचें और समय से अपने घर पहुँच जाएँ, इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम को सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के लिये डिटेल एडवांस व माइक्रो प्लानिंग करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने गृह मंत्री के आगमन के समय सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने पर भी बल दिया।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने शिलान्यास कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर बनाया गया प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया। बैठक में संभाग आयुक्त श्री दीपक सिंह, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री डी श्रीनिवास वर्मा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी एवं नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कान्याल सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

एयरपोर्ट शिलान्यास समारोह स्थल का निरीक्षण भी किया

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मेला ग्राउण्ड पर आयोजित होने वाले एयरपोर्ट शिलान्यास समारोह की तैयारियों का भी अवलोकन किया। उनके साथ केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया, जिले के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, राजस्व व परिवहन मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कार्यक्रम स्थल पर पहुँचकर शिलान्यास समारोह की व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को एयरपोर्ट विस्तार के तहत कराए जाने वाले कार्यों के संबंध मंल विस्तृत जानकारी दी। नए एयरपोर्ट बनने के पश्चात किस प्रकार उसकी आकृति होगी उसके चित्र भी उन्हें दिखाए। साथ ही कहा कि नवीन एयरपोर्ट निर्माण में भव्यता के साथ-साथ ग्वालियर की संस्कृति का भी ध्यान रखा गया है।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विभागीय अधिकारियों से कहा है कि सभी तैयारियाँ समय रहते पूर्ण हों और कार्यक्रम भव्यता और गरिमा के साथ हो इसका विशेष ध्यान दिया जाए।

संक्षिप्त समाचार

खुद को बताया भाई-बहन, निकला प्रेमी जोड़ा

ग्वालियर के ठेकेदार ने सोनीपत से किया स्टूडेंट का किडनेप, बाइक फिसली तो पकड़े गए

ग्वालियर । ग्वालियर में एक बाइक स्लिप होने के बाद सोनीपत हरियाणा से पांच महीने पहले हुए अपहरण का मामला खुल गया है। घायल लड़का-लड़की ने खुद को बहन-भाई बताया था। मऊरानीपुर टीकमगढ़ का रहने वाला बता रहे थे। संदेह होने पर जब पुलिस ने लड़की को अकेले में ले जाकर काउंसलिंग की तो बहन-भाई असल में प्रेमी जोड़ा निकला है। लड़का ठेकेदार है। पांच महीने पहले सोनीपत में ठेकेदारी करते समय 10वीं की छात्रा को प्यार के जाल में फंसाकर ग्वालियर ले आया था। यहां उसके साथ लगातार रेप किया। ग्वालियर पुलिस ने नाबालिग छात्रा को निगरानी में लेकर सोनीपत पुलिस को सूचना दे दी है। पुलिस छात्रा को लेने निकल आई है।

बाइक फिसली खुला अपहरण का मामला

टीआई गोला का मंदिर मिर्जा आसिफ बेग ने बताया कि मेला ग्राउण्ड पर एक बाइक अचानक मिट्?टी पर फिसल गई थी। जिस पर पुलिस वहां पहुंची तो बाइक सवार लड़की और लड़के को हाथ में चोट होने पर उनका इलाज कराया। पुलिस ने जब उनसे पूछताछ की और उनकी डिटेल मांगी तो दोनों ने खुद को बहन-भाई बताकर मऊरानीपुर टीकमगढ़ बताया था। पुलिस को लड़की के चेहरे पर घबराहट दिख रही थी। इसके कारण पुलिस ने विस्तार से पूछताछ की। एक महिला सिपाही लड़की को अकेले में लेकर गई और उसकी काउंसलिंग की तो लड़की ने बताया कि वह सोनीपत निवासी 17 वर्षीय माधवी (बदला हुआ नाम) हूं। यह आरोपी अमन सोनीपत में ठेकेदारी करता था। उसके छोटे भाई से मेरी दोस्ती थी उसे मैं पसंद करती थी। यह पांच महीने पहले मेरे करीब आया और दोस्ती कर मुझे अपने साथ ले आया। इसका पता चलते ही पुलिस ने लड़की के पिता से बात की तो उन्होंने बताया कि सोनीपत में उसके अपहरण का मामला दर्ज है। सोनीपत पुलिस से संपर्क करने पर पूरे मामले का पता लगा। पुलिस ने छात्रा और उसके अपहरण के आरोपी को निगरानी में ले लिया है। सोनीपत पुलिस ग्वालियर के लिए निकल चुकी है।लूटी गई कार के साथ बदमाश गिरफ्तार

8 दिन पहले हाइवे पर चालक को कट्टा अड़ाकर बंधक बनाने के बाद लूटी थी कार

ग्वालियर । ग्वालियर से 8 दिन पहले आगरा-मुम्बई राष्ट्रीय राजमार्ग पर मोहना इलाके में लूटी गई कार को पुलिस ने श्यावरी गांव से बरामद कर लिया है। कार को लूटने वाले एक बदमाश को भी गिरफ्तार किया गया है। उसने दो अन्य साथियों के साथ कार को लूटना कुबूल किया है। कार बरामद करने के बाद अब पुलिस लुटेरे के शेष दोनों साथियों की तलाश कर रही है।यह कार 29 सितंबर दोपहर में मोहना इलाके चालक को कट्?टा अड़ाकर बंधक बनाकर लूटी गई थी। पुलिस पता पूछताछ कर रही है कि किस कारण से बदमाशों ने कार को लूटा था। शहर की अन्य वारदातों में भी इन लुटेरों से सुराग मिल सकते हैं।

यह है पूरा मामला : मोहना निवासी रामेश्वर खटीक टैक्सी ड्राइवर है। वह मोहना के सरदार ट्रैवल्स की टैक्सी चलाता है। 29 सितंबर दोपहर दो लड़के आए और शीतला माता मंदिर दर्शन करने जाने की कहकर अर्टिका बुक की थी। रामेश्वर कार एमपी 07 पीएल -0112 लेकर मोहना से रवाना हुआ था। एक युवक आगे, जबकि एक पीछे बैठा था। कार घाटीगांव स्थित काली माता मंदिर पहुंची, तभी पीछे बैठे बदमाश ने रामेश्वर के गले में रुमाल कस दिया। आगे बैठे बदमाश ने कट्?टा तान दिया। उन्होंने उसके हाथ-पैर बांधे और जंगल में कुछ दूर ले जाकर फेंक दिया। उन्होंने जेब में रखे 25 हजार रुपए और मोबाइल छीन लिया था, लेकिन जाते समय उन्होंने उसे 100 रुपए दिए, जिससे वह घर तक पहुंच सके। जैसे-तैसे उसने हाथ छुड़ाए और पुलिस के पास पहुंचा था। पुलिस ने बदमाशों की तलाश में लगातार सर्चिंग की और भंवरपुरा, मोहना के साथ ही घाटीगांव पुलिस ने सभी नाको को सील कर तलाशा, लेकिन अभी तक बदमाशों का सुराग नहीं मिला था।

स्वामी विवेकानंद सेवा समिति बाल्मिक समाज की कन्याओं का करेगी पूजन

ग्वालियर । स्वामी विवेकानंद सेवा समिति के अध्यक्ष नूतन श्रीवास्तव ने बताया कि 9 अक्टूबर को महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर बाल्मिक समाज की कन्याओं का पूजन किया जाएगा समिति द्वारा समय-समय पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं समिति द्वारा गणेश महोत्सव के अवसर पर जन जागरण अभियान चलाया गया एवं सभी शहर वासियों से आग्रह किया गया को घर पर मिट्टी के गणेश जी की स्थापना करें और इसी के साथ ही समिति द्वारा निशुल्क गणेश प्रतिमा का भी वितरण किया गया इसके साथ ही अभी समिति द्वारा हर रविवार को सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ जन जागरण अभियान चलाया जा रहा है लोगों से आग्रह किया जा रहा है कि वह सिंगल उस प्लास्टिक का प्रयोग बिल्कुल बंद कर दें और कपड़े के थैले का प्रयोग करें समिति द्वारा 12 हफ्ते से लगातार यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है समिति द्वारा अभी तक 10000 से ज्यादा थैला का वितरण किया गया है ।

ग्वालियर शहर से जुड़े ग्रामीण वार्डों में विकास कार्यों की श्रृंखला जारी रहेगी - श्री कुशवाह

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार ने वार्ड-63 की विभिन्न बस्तियों में किया विकास कार्यों का भूमिपूजन

ग्वालियर। ग्वालियर शहर में शामिल हुए नए वार्डों की बस्तियों में भी सरकार ने शहर के पुराने वार्ड की तर्ज पर विकास कार्यों की श्रृंखला शुरू की है, जो लगातार जारी रहेगी। यह बात उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह ने कही। श्री कुशवाह शहर के वार्ड 63 के अंतर्गत स्थित मदनपुरा व जमाहर में विकास कार्यों का भूमि पूजन करने पहुँचे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर डॉ. शोभा सतीश सिकरवार ने की। राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने शुक्रवार को मदनपुरा बस्ती में पानी के निकास के लिये लगभग 44 लाख 31 हजार रूपए की लागत से बनने जा रही नाली की आधारशिला रखी। साथ ही ग्राम जमाहर में लगभग 45 लाख 73 हजार रूपए लागत के दो नालों का भूमिपूजन भी उन्होंने महापौर के साथ किया। भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री भारत सिंह कुशवाह ने दोहराया कि शहर के नए वार्डों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिये धन की कमी नहीं आने दी जायेगी। उन्होंने कहा मदनपुरा के श्मशान घाट की बाउण्ड्रीवॉल व टीनशेड का निर्माण भी जल्द कराया जायेगा। इसी तरह जमाहर में उप स्वास्थ्य केन्द्र का भी जल्द ही भूमिपूजन होगा। श्री कुशवाह ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान का लाभ उठाने का आह्वान भी किया। महापौर डॉ. शोभा सिकरवार ने कहा कि ग्वालियर शहर के विकास के लिये हम सब दलगत भावना से ऊपर उठकर काम करेंगे। साथ ही कहा कि शहर से जुड़े ग्रामीण वार्डों के विकास में भी नगर निगम की ओर से कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती उमा शिव सिंह यादव तथा सर्वश्री प्रेम सिंह राजपूत, नरेन्द्र किरार सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे।

पंजाबी परिषद समिति ग्वालियर पंजाबी परिषद समिति का 11 वाँ सामूहिक करवा चौथ 13 अक्टूबर को सनातन धर्म मंदिर में

ग्वालियर। गुरुवार को पंजाबी परिषद समिति ग्वालियर द्वारा करवा चौथ व्रत को लेकर एक बैठक रखी गई जिसमें पिछले वर्षों मैं हुएआयोजन की सफलता को एवं सुहागिनों के उत्साह को देखते जिसमें 400 महिलाएं एकत्रित हुई थी इस विषय पर चर्चा की गई बैठक में मुख्य परामर्शदाता कुलवीर भारद्वाज, अध्यक्ष अशोक मारवाह, सचिव जीके सूरी, महिला अध्यक्ष मधु भारद्वाज प्रमिला मारवाह, रश्मि सूरी, रीटा मल्होत्रा ,प्रीती अरोरा, लक्ष्मी जुनेजा ,उमा अरोरा ,अरविंद परनंदा ,अनिल शर्मा, पूजा शर्मा, अनिल गांधी ,राकेश शर्मा ,राजू पंडित आदि भारी संख्या में समिति के सदस्य गण उपस्थित थे जिन्होंने इस आयोजन को लेकर अपने अपने विचार विमर्श किए जिसमें शाम 4ः00 बजे से 6ः00 तक शुभ मुहूर्त में सुहागिनों को पूजन कराया जाएगा साथ ही समिति द्वारा ÷नए वर वधू एवं वैवाहिक जीवन के 40 वर्ष पूर्ण कर चुके एवं पत्नी पत्नी दोनों व्रत करते हो उन दंपत्ति का सम्मान किया जाएगा।

महिला की हत्या, गहने-नकदी गायब

मौत से अनजान डेढ़ साल का मासूम मृत पड़ी मां के पेट पर खेलता रहा

ग्वालियर । ग्वालियर में एक 26 वर्षीय विवाहित महिला की उसके ही घर में हत्या कर दी गई है। घटना गुरुवार दोपहर की है। घटना के समय महिला का डेढ़ साल का बेटा उसके ही पास था। दोपहर बाद जब महिला का पति घर पहुंचा तो पत्नी मृत पड़ी थी। उसका डेढ़ साल का बेटा मां की मौत से अनजान उसके पेट पर खेल रहा था। घर से करीब 10 तोला सोना व 50 हजार रुपए नकदी चोरी हुआ है। पत्नी को इस तरह पड़ा देखने के बाद पति उसे लेकर हॉस्पिटल पहुंचा, जहां डॉक्टर ने महिला का चेकअप कर उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना लगते ही पुलिस और फॉरेंसिक एक्सपर्ट मौके पर जा पहुंचे।

शहर के जनकगंज स्थित अयोध्या नगरी गली नंबर-2 में रहने वाले मनीष शर्मा की पत्नी माला शर्मा हत्या हुई है। बताया गया है कि मृतक महिला का पति मनीष पुराने हाईकोर्ट के पास होटल सिटी ग्रैंड में मैनेजर है। रोज की तरह मनीष होटल जाने के लिए सुबह 11 बजे घर से निकला था। जब दोपहर 3 बजे घर वापस लौटकर आया तो घर के सारे दरवाजे खुले हुए थे, उसने अंदर जाकर देखा तो उसकी पत्नी माला बेड पर पड़ी हुई थी और उसका डेढ़ साल का बेटा उसके पेट पर खेल रहा था। घर में रखी अलमारी का सामान बिखरा हुआ पड़ा था और उसमें रखे 10 तोला सोने के जेवर व 50 हजार रुपए नगद गायब थे। जिसके बाद पति आनन-फानन में पत्नी को हॉस्पिटल लेकर पहुंचा, जहां डॉक्टर ने महिला का चेकअप कर उसे मृत घोषित कर दिया। जिसकी सूचना आसपास के लोगों ने पुलिस को दी सूचना लगते ही पुलिस और फॉरेंसिक एक्सपर्ट मौके पर जा पहुंचे जहां मृतक महिला के शव की जांच पड़ताल कर पीएम हाउस के लिए भेजकर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोई फोर्स एंट्री नहीं, हत्या करने वाले करीबी

महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई है अभी इसका पता नहीं चल सका है। पुलिस अंदाजा लगा रही है कि हो सकता है कि लूट करने आए लुटेरों का महिला ने विरोध किया हो इसलिए लुटेरों महिला की गला दबाकर हत्या कर दी और पूरा माल लेकर वहां से भाग निकले। पर पुलिस को वहां फोर्स एंट्री के कोई सबूत नहीं मिले हैं, लेकिन हैरत की बात यह है कि जिस घर में महिला और उसका पति रहता है उसके ऊपर वाली मंजिल में उसके घर किराएदार भी रहते हैं। महिला के साथ इतना सब कुछ हो गया और किराएदार को महिला की हत्या होने की भनक तक नहीं लगी।

पति ने सुनाई यह कहानी, पुलिस को संदेह

मृतक महिला माला के पति मनीष शर्मा ने बताया कि सुबह 11 बजे वह होटल ड्यूटी करने के लिए घर से निकला था, जब वह दोपहर 3 बजे घर वापस आया तो उसे घर के दरवाजे खुले मिले अंदर जाकर देखा तो माला मृत अवस्था में पलंग पर पड़ी हुई थी और घर में रखी अलमारी से सोना और नकदी गायब थे। वह उसे लेकर अस्पताल भी गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसका कहना है कि लूट करने आए अज्ञात बदमाशों ने उसकी पत्नी की हत्या की है। फोर्स एंट्री या महिला के शरीर पर संघर्ष के कोई निशान न होने पर पर पुलिस के पति की कहानी पर संदेह है। सीएसपी मुनेश राजोरिया का कहना है कि एक महिला की उसी के घर में गला दबाकर हत्या कर दी गई है।

16 कलाओं से परिपूर्ण शरद पूर्णिमा का चंद्रमा अपनी रश्मियों से देगा आरोग्यता

शरद पूर्णिमा के साक्षी रहेंगे। बुधादित्य योग और लक्ष्मी नारायण योग

ग्वालियर । शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा धरती पर अमृत की वर्षा करेगा। इस दिन चंद्र देव की पूजा के साथ महालक्ष्मी की पूजा अर्चना करने से सुख और स्वास्थ्य का लाभ मिलेगा। रविवार 9 अक्टूबर तड़के 3ः41 से पूर्णिमा तिथि का प्रारंभ होगा। जो 10 अक्टूबर तड़के 2ः25 तक तथि रहेगी।

बालाजी धाम काली माता मंदिर के ज्योतिषाचार्य डॉ. सतीश सोनी के अनुसार शरद पूर्णिमा के दिन उत्तराभाद्रपद और रेवती नक्षत्र होने से सुस्थिर योग और वर्धमान नाम के योग के साथ ध्रुव योग बन रहे हैं। इसके साथ ही शरद पूर्णिमा पर्व पर कन्या राशि में त्रिग्रह योग भी रहेगा। इस दिन कन्या राशि में सूर्य, बुध और शुक्र की युति बनेगी। सूर्य बुध की युति से बुधादित्य योग और बुध और शुक्र की युति से लक्ष्मी नारायण योग बनेगा। इन्हें ज्योतिष शास्त्र में राजयोग कहा जाता है। इसी दिन शनि और गुरु अपनी अपनी राशि में वक्री अवस्था में रहेंगे। इस दिन चंद्रोदय का समय शाम 5ः58 पर रहेगा।

श्री कृष्ण रचाते हैं महारास

शरद पूर्णिमा को रास पूर्णिमा भी कहा जाता है। शरद पूर्णिमा के देवता श्री कृष्ण हैं। इस दिन भगवान श्री कृष्ण महा रास रचाते हैं। इसलिए वृंदावन में इसे रास पूर्णिमा के

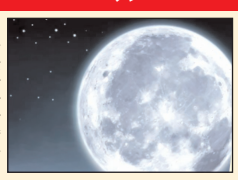

नाम से भी जाना जाता है। इस दिन चंद्रमा पृथ्वी के नजदीक होने से चंद्रमा की शक्ति ग्रहण करने से मनुष्य को यौवन प्राप्त होता है। क्योंकि चंद्रमा की किरणें सभी तत्वों से भरपूर होती हैं।

महालक्ष्मी का होगा। व्रत

शरद पूर्णिमा को कोजागरी व्रत का विधान है। महिलाएं महालक्ष्मी देवी की 108 दीपक जलाकर पूजा-अर्चना करती हैं। शास्त्रों के अनुसार इस दिन महालक्ष्मी धरती पर भ्रमण के लिए निकलती हैं। खीर के हवन से मां को प्रसन्न किया जाता है। महिलाएं घर की सुख समृद्धि के लिए यह व्रत और पूजा करती है।

शरद पूर्णिमा पर चंद्र पूजन का विधान

शरद पूर्णिमा के दिन चंद्रमा की पूजा का भी विधान है। ज्योतिषाचार्य डॉ. सतीश सोनी के मुताबिक चंद्रमा को सबसे पहले अर्घ देना चाहिए। इसके बाद उसका पूजन कर खीर का भोग लगाएं, चंद्रमा की किरणों का तेज रात 10ः00 बजे से लेकर 12ः00 बजे तक अधिक रहेगा। इसलिए इस बीच खीर के बर्तन को ढक कर खुले में रखना अधिक लाभदायक होता है। सुबह इसे प्रसाद के रूप में ग्रहण करने से स्वास्थ्य लाभ मिलता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनूमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478